RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:198 ता. 23 जनवरी 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राम सिर्फ हमारे नहीं हैं, राम सबके: पीएम मोदी

▶▶ कहीं निकली कार रैली, कहीं रामलला उत्सव की धूम, पीएम मोदी बोले
▶▶ रामलला अब टेंट में नहीं दिव्य मंदिर में रहेंगे

अयोध्या/नई दिल्ली।

अयोध्या में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। इसके साथ ही रामलला गर्भगृह में विराजमान हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विधि-विधान से रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को संपन्न किया। राम मंदिर के इस भव्य उद्घाटन को देशभर में त्योहार की तरह मनाया जा रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में जश्न का मौहाल है। अमेरिका से लेकर मॉरीशस और त्रिनिडाड और टोबैगो जैसे देशों में रामभक्तों का उत्साह बना हुआ है। अमेरिका के न्यूयॉर्क से लेकर वॉशिंगटन और लॉस एंजेलिस तक रामभक्त भक्ति और आस्था में डूबे नजर आए। अयोध्या में कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को बधाई। मैं गर्भगृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके सामने उपस्थित हुआ हूं।

उन्होंने कहा कि कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरूद्ध है, शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास है, अपार श्रद्धा है, जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश और विश्व के कोने-कोने में राम भक्तों को हो रही होगी। यह क्षण आलौकिक है। यह पल पवित्रतम है। यह माहौल,

अयोध्या में हुई राम लला की प्राण प्रतिष्ठा, अमेरिका से लेकर मॉरिशस तक रामभक्ति में डूबे...

वातावरण, यह घड़ी, प्रभु श्रीराम का हम सब पर आशीर्वाद है।

यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर

पीएम मोदी ने कहा, हमारे राम लला आ गए हैं। राम लला अब टेंट में नहीं रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा, सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों के अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी। ये क्षण आलौकिक है, ये पल पवित्रतम है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। मैं प्रभु श्रीराम से क्षमा भी मांगता हूं। हमारे पुर्षार्क्ष में कोई तो कमी रही होगी कि इस काम को करने में हमें इतना समय लग गया। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रभु श्री राम हमें जरूर माफ करेंगे। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान हैं। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली।

आज हमें सदियों की धरोहर मिली है

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोडक़र उठ खड़ा होता राष्ट्र ऐसे ही नवइतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज के इस पल, तारीख की चर्चा करेंगे। राम की कितनी बड़ी कृपा है कि हम सब इस पल को घटित होते देख रहे हैं।पीएम बोले कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि अनुष्ठान के दौरान सागर से सरयू तक की यात्रा का मौका मिला। राम भारतवासियों के मन में विराजे हुए हैं। किसी के भी मन को छुएंगे तो एकत्व की अनुभूति होगी। मुझे देश के कोने-कोने में रामायण सुनने का अवसर मिला।

नया भारत खड़ा होके रहेगा: भागवत

इस मौके पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- आज 500 साल बाद रामलला यहां लौटे हैं। रामलला के साथ भारत का स्वर लौट कर आया है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होके रहेगा। आज का कार्यक्रम इसका प्रतीक है। जोश की बातों में होश की बातें करने का काम मुझे सौंपा जाता है। पीएम को जितना कठोर व्रत करने को कहा गया था, उन्होंने उससे ज्यादा कठोर व्रत किया। वे तपस्वी हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि पीएम ने तप किया। अब हमें भी तप करना है। हमें छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई छोडऩी होगी। हमको आपस में समन्वय रखकर चलना होगा। सब हमारे ही हैं। सरकार की कई योजनाएं राहत दे रही है। लेकिन समाज के लोग हमारे भी लोग हैं। हमें भी सेवा और परोपकार के रास्ते पर चलना होगा। अपने लिए उतना ही रखें जितने की जरुरत हो।

आज हर मन में राम, हर आंख में संतोष के आंसू: योगी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रभु राम की कृपा से अब कोई अयोध्या की परिक्रमा में बाधा नहीं बन पाएगा। अयोध्या की गलियो में गोलियों की गडग़ड़ाहट नहीं होगी। यहां की गलियां श्री राम नाम से गूंजेंगी। आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर ग्राम, हर नगर अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी हैं। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं। यह राम राज्य की शुरुआत है। ऐसा लगता है कि हम त्रेता युग में प्रवेश कर गए हैं। सीएम योगी ने कहा, पूरा देश इस आयोजन से खुश है और इस पीढ़ी का सौभाग्य है कि वह इस भव्य आयोजन का गवाह बन सकी है। इस समय दुनिया की नजरें अयोध्या की ओर हैं और हर कोई यहां आना चाहता है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान श्री राम की मूर्ति का बाल स्वरूप प्रत्येक सनातनी के जीवन को रास्ता दिखाता रहेगा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूरा, देशभर में उमंग और उल्लास का वातावरण

अयोध्या । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को श्रीरामजन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में श्री रामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूर्ण किया। वैदिक आचार्य सुनील शास्त्री की अगुवाई में 121 प्रकांड विद्वानो ने संजीवनी योग में मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को पूर्ण कराया। अभिजीत मुहुर्त में दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से 84 सेकेंड के अंतराल में श्याम वर्ण भगवान के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके साथ आसमान से हेलीकाप्टर के जरिये मंदिर प्रांगढ में पुष्प वर्षा की गयी। श्रीरामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान 1949 से पूजित रामलला की प्रतिमाओ का पूजन श्री मोदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में गर्भ गृह में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। इस दिव्य क्षण का साक्षी बनने मंदिर प्रांगढ़ में कई अजीम हस्तियां उपस्थति थीं।

आज है नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय आंदोलन के पराक्रमी नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी 2024 को 127वीं जयंती है। खास दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश की आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा देने वाले नेता जी का जन्म साल 1897 को ओडिशा के कटक शहर में हुआ था। नेताजी की जिंदगी और देश के लिए उनका त्याग आज भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। नेता जी के प्रेरणादायक विचार आज भी युवाओं को उतना ही प्रेरित करती हैं, जितना कि आजादी के आंदोलन के दौरान करती थीं। एक बार उन्होंने कहा था कि तुम खुद की ताकत पर अगर भरोसा करो तब हर काम संभव है। जबकि दूसरों से ली गई ताकतें उधार की होती हैं जो घातक साबित हो सकती है। गलतियों को अगर आप चुपचाप देखकर अनदेखा कर रहे हैं तब इससे बड़ा अपराध कोई नहीं। सुभाष चंद्र बोस भी लोगों को यह प्रेरणा देते थे कि याद रखो अगर तुम अन्याय सह रहे हो, अपराध देख रहे हो या गलत के साथ समझौता कर रहे हो तो यह सबसे बड़ा अपराध है। नेता जी हमेशा उच्च विचारों पर चलना स्वीकार करते थे। उन्होंने अपने विचारों में कहा था कि अगर आप उच्च विचारों के साथ जीवन जीते हैं, तब यह आपकी कमजोरियों को दूर करने का ताकत देती है इसलिए हमें उच्च विचारों के साथ जीना चाहिए। नेताजी जिस भी काम को पूरा करने की ठान लेते थे, उसे पूरा करने के बाद ही दम लेते थे। यह उनके काम का तरीका था। एक बार उन्होंने कहा था कि जिस व्यक्ति के अंदर सनक नहीं होती, वहां कभी महान नहीं बन सकता।

मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था-योगी आदित्यनाथ

अयोध्या ।

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्याधाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत अपने मनोभाव प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लबे अंतराल के उपरांत आज के इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे हैं। मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विहवल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा ही अनुभव कर रहे होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर-हर ग्राम अयोध्याधाम है। हर मार्ग श्रीरामजन्मभूमि की ओर आ रहा है। उन्होंने कहा कि हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं। आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी। भाव-विभोर कर देने वाली इस दिन की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियां व्यतीत हो गईं, दर्जनों पीढ़ियां अधूरी कामना लिए इस धराधाम से साकेतधाम में लीन हो गईं, किन्तु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि, संभवतः विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य के जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। संन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पाति, विचार-दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि-कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण्य स्मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ।

वामपंथी उग्रवाद में सुधार हुआ और हिंसा में लगभग 75 प्रतिशत की कमी आई : शाह

रायपुर ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है और हिंसा में लगभग 75 प्रतिशत की कमी आई है। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा बैठक में कहा कि तीन आंतरिक सुरक्षा स्थितियों जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद-में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है और हिंसा में लगभग 75 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम अब उत्तर पूर्व के लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्रों से हटाया गया है। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में हुई प्रगति की सराहना कर उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित भौगोलिक क्षेत्रों और हिंसा दोनों में उल्लेखनीय कमी आई है।

बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव, राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक सहित कई अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने सुरक्षा बलों को इन क्षेत्रों को अगले तीन वर्षों के भीतर माओवादी खतरे से मुक्त करने का लक्ष्य दिया। केंद्रीय मंत्री शाह ने वामपंथी उग्रवाद को बनाए रखने में सहायक पूरे तंत्र को टारगेट करने को लेकर सभी संबंधित हितधारकों द्वारा एक विस्तृत रोडमैप तैयार करने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने मल्टी-एजेंसी सेंटर के माध्यम से साझा किए गए सभी इनपुट की समीक्षा करने और सत्यापित इनपुट को संचालित करने की आवश्यकता पर भी जोर

दिया।गृह मंत्री शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पूरी तरह से क्रियान्वित करने पर बल दिया और इसके लिए सु

रक्षा बलों के कैंपों का उपयोग करने को कहा ताकि नजदीक के गांवों में इन योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने गृह मंत्रालय को छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद से अत्यधिक प्रभावित जिलों में धन के आवंटन और इसके उपयोग दोनों मामलों में लचीला होने का निर्देश दिया।

कड़ाके की ठंड के चपेट उत्तर भारत

मप्र, राजस्थान, पंजाब-हरियाणा में कोल्ड वेव का अलर्ट

नई दिल्ली । मप्र-राजस्थान समेत उत्तर भारत के राज्यों में कड़ाके की ठंड कम नहीं हो रही है। सर्द हवाओं का असर लगातार बना हुआ है। 21 जनवरी भोपाल में सीजन का सबसे ठंडा दिन था। यहां पारा 7.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, राजस्थान के दौसा और बिहार के बांका में भी तापमान 6 डिग्री तक गिरा। इससे सोमवार की दिन की शुरुआत ठिठुरन भरी हुई। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा में मंगलवार को कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सीवियर कोल्ड और बिहार-दिल्ली कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तराखंड के कुछ इलाकों में बर्फ की परत भी देखने को मिल सकती है। इसके अलावा दक्षिण भारत को छोडक़र लगभग सभी जगह घना कोहरा देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और नॉर्थ ईस्ट के 4 राज्यों में कोहरे के कारण विजिबिलिटी पर फर्क पड़ा है।

प्राण प्रतिष्ठा के साथ लौटी बाजार की रौनक, 1 लाख करोड़ से ज्यादा का हुआ कारोबार

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने एक बार फिर से देशवासियों को दिवाली मनाने का अवसर प्रदान किया। इसके चलते देश के तमाम बाजारों में दुकानदारों और आम लोगों की ओर से ऐसी तैयारी देखी गई जैसे दिवाली के अवसर पर नजर आती है। बाजारों में आम लोगों ने खूब खरीदारी की, जिससे करीब एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया गया है। यह जानकारी कैट यानी कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने देते हुए कहा कि श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कारण से देश भर में बेहद उत्साह और उमंग देखने को मिला है। आम लोगों की ओर से इस उत्सव को मनाने की जोरशोर से तैयारियां की गईं, जिससे बाजारों में खरीददारी भी काफी देखने को मिली है। इससे पहले भी देश में इस उत्सव को लेकर बड़े पैमाने पर कार्यक्रम हुए हैं। साथ ही भगवान राम से जुड़े सामान की बाजारों में अच्छी खासी मांग रही और उसी तादाद में काफी बिक्री भी हुई है। यही कारण है कि 22 जनवरी की तैयारी को लेकर देशभर में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का करोबार हुआ है। कैट की ओर से व्यापारिक समुदाय के बीच हर शहर अयोध्या-घर घर अयोध्या नाम से नेशनल कैंपेन चलाया गया है, जिससे भी बाजार खासा रौनक लिए रहा है। दिल्ली एवं देश के सभी राज्यों के व्यापारी संगठनों ने बाजारों में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए काफी तैयारी की। यह सभी कार्यक्रम बाजारों में ही हुए, जिसकी वजह दिल्ली समेत देश के सभी बाजार खुले और व्यापारी आम लोगों के साथ श्री राम मंदिर का जश्न मनाया।

राजस्थान में नहीं थम रहा ठण्ड का कहर, सीकर जिले में न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री पंहुचा

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में कंपकंपा देने वाली सर्दी का दौर जारी है, जहां सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस और अलवर में 2.8 डिग्री सेल्सिसयस रहा। राज्य के कई अन्य हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान करौली में 3.3 डिग्री, पिलानी में 3.6 डिग्री, भीलवाड़ा में चार डिग्री, अंता (बारां) में 4.4 डिग्री, सीकर में 4.5 डिग्री, गंगानगर में पांच डिग्री, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में 5.5 डिग्री दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक न्यूनतम तापमान संगरिया (हनुमानगढ़) में 5.6 डिग्री, जालौर में 5.8 डिग्री और डबोक (उदयपुर) में 5.9 डिग्री रहा।अन्य स्थानों पर रात का तापमान छह डिग्री से ऊपर रहा। राज्य में अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, झुंझुनू, करौली, सवाई माधोपुर और सीकर समेत कुछ इलाकों में कोहरे से लेकर घना कोहरा देखने को मिला। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी।

ममता बनर्जी ने कोलकाता में सर्वधर्म सद्भाव रैली शुरू की

कोलकाता। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में सर्वधर्म सद्भाव रैली की शुरुआत की। विभिन्न धर्मगुरुओं और पार्टी नेताओं के साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख बनर्जी ने यहां हाजरा मोड़ से 'संगति मार्च' शुरू किया। सफेद और नीली बॉर्डर वाली सूती साड़ी पहने और गले में शॉल लपेटे बनर्जी को सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन करते देखा गया। मुख्यमंत्री ने शहर के कालीघाट मंदिर में पूजा अर्चना के बाद रैली शुरू की।इससे पहले बनर्जी ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का ''चुनावी हथकंडा'' बताकर आलोचना की थी। मुख्यमंत्री हाजरा मोड़ से रैली का नेतृत्व कर रही हैं।इस दौरान वह मस्जिदों, गिरिजाघरों, गुरुद्वारे सहित विभिन्न धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न पूजा स्थलों का दौरा करेंगी। रैली का समापन पार्क सर्कस मैदान में एक विशाल सभा के साथ होगा।

दिल्ली वासियों को कड़ाके की ठंड से मिली थोड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को सर्दी से थोड़ी राहत मिली जहां न्यूनतम तापमान, एक दिन पहले के 4.8 डिग्री से बढ़कर 6.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। मौसम कार्यालय के अनुसार, न्यूनतम तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से एक डिग्री नीचे है। दोपहर या शाम तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाने की संभावनाहै। अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। रेलवे के अनुसार, उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 23 ट्रेनें अपने तय समय से विलंब से चल रही हैं।

देहरादून में मनाया गया दीपोत्सव, डेढ़ लाख से अधिक दीप जलाए गए

देहरादून। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर उत्तराखंड के देहरादून में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें करीब डेढ़ लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए। यह कार्यक्रम परेड ग्राउंड में रखा गया था जिसमें शाम को लोगों के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पहुंचे थे और उन्होंने भी दीप जलाए। इस अवसर पर धामी ने सभी देश और प्रदेशवासियों को रामलला प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं दीं और राम भजन भी गाए। यहां उन्होंने कहा कि एक लंबे इंतजार के बाद रामलला की अपनी जन्मभूमि में विराजमान होने का शुभ अवसर आया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने दीपोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करके भगवान राम के प्रति अपनी आस्था दिखाई है और जन-जन के सहयोग एवं भक्तिभाव के साथ डेढ़ लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए हैं। उन्होंने कहा कि हम भी भगवान राम की कृपा से ही इस भव्य दीपोत्सव में शामिल हुए हैं।

अटल सेतु पर भीषण सड़क हादसा, रैलिंग से टकराकर कई बार पलटी खा गई कार

मुंबई। देश में समुद्र के ऊपर बने सबसे लंबे पुल अटल सेतु पर रविवार को भीषण एक्सीडेंट हुआ है।एक कार के डैशबोर्ड पर लगे कैमरे में देखा जा सकता है कि कैसे पीछे से आ रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग से टकराती है। इसके बाद कई बार पलटने के बाद रुक जाती है। जिस किसी ने भी इस वीडियो को देखा वो हैरान रह गया।यह हादसा इतना भीषण था कि पहली नजर में देखने में ऐसा लगा कि मानो इसमें कोई भी शख?स जिंदा नहीं बचा होगा। मुंबई में बना यह ताजा सी-रूट दक्षिण मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ता है। इस पुल के बनने से घंटों का सफर अब मिनटों में कर पाना संभव हो सका है। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है। हैचबैक के पीछे कार के डैशकैम फुटेज में वाहन को लेन काटते और रेलिंग से टकराते हुए दिखाया गया है। कार चिरले (रायगढ़ जिले के उरण तालुका का एक गांव) जा रही थी। इसमें यात्रा कर रहे दो महिलाओं और बच्चों समेत सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।21,200 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा के समय को कम करता है। यह मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच कनेक्टिविटी में भी सुधार करता है और मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत तक यात्रा के समय को मौजूदा दो घंटे से घटाकर लगभग 15-20 मिनट कर देता है।

अब अमेरिका में पढ़ाई करना हुआ आसान, दाखिले के लिए ये है जरुरी डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली। भारतीय छात्रों में अमेरिका में पढ़ाई करना अब और भी आसान हो गया है।कई अमेरिकी यूनिवर्सिटी भारतीय स्टूडेंट्स को अपने यहां एडमिशन देती हैं। कुछ में विशेष स्कॉलरशिप देने का प्रावधान भी है। लेकिन स्टूडेंट वीजा हासिल करने का काम छात्र के जिम्मे ही होता है. अमेरिका में स्थित यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिए 3 तरह के वीजा हासिल किए जा सकते हैं। अगर आप अमेरिका मे पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको इनके बारे में पता होना चाहिए। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में विदेशी स्टूडेंट्स के तौर पर सबसे ज्यादा एप्लीकेशन भारतीयों की आती है। हर साल बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स हायर एजुकेशन के लिए भारत का रुख करते हैं। जानिए सेमेस्टर शुरू होने से पहले किन दस्तावेजों की जरूरत होती है, स्टूडेंट वीजा कितनी तरह के होते हैं और अमेरिका में पढ़ाई का पैटर्न क्या है। भारतीय स्टूडेंट्स फॉरेन एजुकेशन के लिए चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रशिया जैसे देशों में जाना पसंद करते हैं। विदेश की किसी भी टॉप यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना आसान नहीं होता है. विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन हासिल करने के लिए वहां के वीजा संबंधी नियमों की जानकारी होना भी जरूरी है। किसी भी अमेरिकी यूनिवर्सिटी में अप्लाई करने से पहल पढ़ाई का पैटर्न समझना जरूरी है। अमेरिका में हायर एजुकेशन को 4 श्रेणियों में बांटा जाता है- एसोसिएट डिग्री (एए, एएस, एएएस), स्नातक डिग्री, मास्टर डिग्री और पीएचडी या डॉक्टरेट की डिग्री। हर स्तर को पास करने के लिए अलग-अलग क्रेडिट की जरूरत होती है। स्टूडेंट्स को हर सेमेस्टर के आखिर में उनके प्रदर्शन के आधार पर क्रेडिट दिए जाते हैं। 1 सेमेस्टर लगभग 30 क्रेडिट का होता है। ज्यादातर यूनिवर्सिटी स्नातक यानी ग्रेजुएशन की डिग्री के लिए कुल 120-130 क्रेडिट और मास्टर्स डिग्री के लिए हर सेमेस्टर में कुल 30-64 क्रेडिट मांगती हैं। आप जिस यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए अप्लाई कर रहे हैं, वहां का क्रेडिट सिस्टम पता कर लें। अमेरिका फॉरेन स्टूडेंट्स को 3 तरह के वीजा देता है।

भारत से दुश्मनी लेकर पछता रहा मालदीव, अब मांग रहा माफी

– मालदीव मेडिकल सुविधा के लिए 98 फीसद भारत पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से दुश्मनी लेकर मालदीव अब पछता रहा है। अब स्थिति ऐसी बन गई कि वहां के नेताओं के साथ-साथ आमजन भी भारत से माफी मांग रहे हैं। मामला बस यह था कि मालदीव के मंत्रियों ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से भारतीयों ने सोशल मीडिया पर मालदीव में पर्यटन का बहिष्कार करने लगे। इसमें भारत के सभी बड़े हस्ती भी शामिल हो गए। हालत ऐसा है कि अब मालदीव लोगों को मेडिकल ट्रिटमेंट के लिए भारत से गुहार लगानी पड़ रही है। मालूम हो कि मालदीव मेडिकल सुविधा के लिए 98 फीसद भारत पर निर्भर है। बायकॉट-मालदीव ट्रेंड होने के बाद वहां के पर्यटन पर भारी असर पड़ा है। भारत की टूरिज्म कंपनियों ने बड़े मात्रा ने टिकट को कैंसिल कर दिया। आनन फानन में मालदीव ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए जिम्मेदार तीन उप मंत्रियों को हटा दिया। इसके बाद मालदीव के कई लोगों ने एक्स पर अपना असंतोष व्यक्त करते हुए अपने भारतीय दोस्तों से माफी मांगी और भारत की नियोजित चिकित्सा यात्राओं के बारे में चिंता व्यक्त की। एक्स पर एक यूजर ने पोस्ट में लिखा है, मैं अपने सभी भारतीय दोस्तों से माफी मांगता हूं और भारत की हमारी पहले से बुक की गई पारिवारिक मेडिकल यात्रा के बारे में चिंतित हूं। चिकित्सा सहायता के लिए मालदीव की भारत पर निर्भरता की सीमा की जांच करने से द्वीप राष्ट्र के सामने आने वाली स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का पता चला है। हालांकि प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं द्वीपों पर उपलब्ध हैं, उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए अक्सर राजधानी माले या यहां तक कि विदेश की यात्रा की आवश्यकता पड़ती है। चिकित्सा पर्यटन के लिए मालदीव के 98 फीसदी लोग भारत को प्राथमिकता देते हैं। इसके बाद उनकी दूसरी पसंद श्रीलंका है। भारत की उन्नत चिकित्सा सुविधाएं, प्रसिद्ध डॉक्टर और तुलनात्मक रूप से सस्ती उपचार लागत के साथ-साथ इसे मालदीव में आसानी से उपलब्ध नहीं होने वाली जटिल मेडिकल ट्रिटमेंट इसे आकर्षक विकल्प बनाती है। मालदीव ने आसंधा नाम से एक सार्वजनिक रेफरल प्रणाली स्थापित की है, जो अपने नागरिकों के लिए विदेशी उपचार का वित्तपोषण करती है। इस योजना के तहत, मालदीव के मरीजों को सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सकों द्वारा विशिष्ट प्रक्रियाओं के लिए विदेश यात्रा करने के लिए निर्धारित किया जा सकता है, जिसमें भारत एक प्रमुख गंतव्य है।

मोदी तपस्वी कठोर तप किया लेकिन अब हम सब के तप करने की बारी : मोहन भागवत

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा हो गई। समारोह में शामिल होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत की। अयोध्या के राम मंदिर में आज रामलला की प्राणप्रतिष्ठा हो गई। समारोह में शामिल होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज के आनंद का वर्णन कोई कई नहीं कर सकता। रामलला के साथ भारत का स्व लौट आया है। छोटे-छोटे मंदिर में आज राम भक्तों में उत्साह लहर की दिख रही है।आज पीएम मोदी ने कठोर व्रत रखा है। पीएम मोदी एक तपस्वी हैं। परंतु, वह अकेले तप कर रहे हैं। यह तपस्या सबको करना होगा। मोहन भागवन ने कहा कि अयोध्या वह जगह है, जहां कोई द्वंद नहीं है। भगवान राम को 14 सालों का वनवास झेलना पड़ा। राम दुनिया के कलह को मिटाकर वापस अयोध्या आए। आज रामलला 500 साल बाद फिर से वापस आए हैं। मोहन भागवत ने कहा कि हमको भी सारे कलह को विदाई देनी पड़ेगी। छोटे-छोटे विवाद होते रहते हैं, उसको लेकर लड़ाई करने की आदत छोड़नी होगी।

आपत्ति के बाद भी जारी है सिद्धू की ताबड़तोड़ रैलियां, बोले- पंजाब में चोरों का शासन

चण्डीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के भीतर संकट और गहरा गया जब पार्टी ने पूर्व विधायक महेशिंदर सिंह और उनके बेटे धर्मपाल को पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू के लिए मोगा में एक रैली आयोजित करने के कुछ घंटों बाद 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए नोटिस जारी किया। इस बीच, मोगा में एक और समानांतर रैली को संबोधित करते हुए, सिद्धू ने सीएम भगवंत मान को पंजाब के मुद्दों पर उनके साथ खुली बहस करने की चुनौती दी। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में इस समय भ्रष्ट नेताओं का शासन है।

मोगा में अपने संबोधन में सिद्धू ने कहा कि अब समय आ गया है जब दहाड़ते शेरों वाली कांग्रेस को खड़ा करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें एक ईमानदार कांग्रेस खड़ी करनी हैज्‌ मैं कोई लुढ़कता हुआ पत्थर नहीं हूं जिस पर मान आकर चुटकुले सुना सकें। सिद्धू एक सच्चे सिख हैं...सिद्धू एक कांग्रेसी थे, वह एक कांग्रेसी हैं और एक कांग्रेसी ही मरेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे 'क्लेप्टोक्रेसी' नामक इस शब्द के बारे में तब तक पता नहीं था जब तक कि एक उच्च शिक्षित व्यक्ति, जो पंजाब के लिए भी उतना ही चिंतित था, ने मुझे नहीं बताया। यह 'चोरन दा तंत्र' (चोरों का शासन) है। यह भ्रष्ट ही हैं जो अब राज्य पर शासन कर रहे हैं।

सीएम मान को उनके साथ बहस करने की चुनौती देते हुए, सिद्धू ने कहा कि 'आइए एक कमरे में अकेले बैठें और मैं आपको तथ्य बताऊंगा।' अपनी ही पार्टी पर निशाना साधते हुए सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस मूर्खों के स्वर्ग में नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से भी अपील करता हूं। बात पंजाब की है। हर पंजाबी के दिल में ये सवाल है...उन्हें इस जाल से कौन बाहर निकालेगा? कैसे? लोग अपनी करोड़ों की संपत्ति बेचकर विदेश जा रहे हैं। उन्हें वापस कौन लाएगा? लोग पदों के लिए पार्टियां बदलते हैं लेकिन मैं इस व्यवस्था को बदलने के लिए काम कर रहा हूं।

केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए, सिद्धू ने कहा, 'भगवान राम सभी के हैं और अयोध्या मंदिर का जश्न सभी को मनाना चाहिए। लोग राम राज्य की स्थापना की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां गरीबों, किसानों, वंचितों और समाज के अन्य निचले वर्गों के लिए न्याय और समानता हो। लेकिन वह 15 लाख रुपये कहां हैं जो पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेशी तटों से काला धन वापस लाने के बाद प्रत्येक निवासी के खाते में जमा करने का वादा किया था।'

आचार्य कृष्णम का विपक्षी नेताओं से अनुरोध......भाजपा से लड़ें राम से नहीं

–ईसाई या मुस्लिम भी राम के निमंत्रण को अस्वीकार नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राम मंदिर के अभिषेक के निमंत्रण को अस्वीकार करने वाले इंडिया गठबंधन पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि भगवान राम भारत की आत्मा हैं। कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण था। आचार्य प्रमोद ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कोई ईसाई या पुजारी या मुस्लिम भी भगवान राम के निमंत्रण को अस्वीकार नहीं कर सकता। राम भारत की आत्मा हैं। राम के बिना भारत की कल्पना भी नहीं हो सकती।

आचार्य कृष्णम ने कहा कि निमंत्रण को अस्वीकार करना भारत की सभ्यता और संस्कृति का अपमान करना है। इसका मतलब है भारत के गौरव और अस्तित्व को चुनौती देना। उन्होंने कहा कि मैं सभी विपक्षी दलों से आग्रह करना चाहूंगा कि भाजपा से लड़ें लेकिन राम से नहीं। बीजेपी से लड़े लेकिन सनातन से नहीं। बीजेपी से लड़ें लेकिन भारत से नहीं। कांग्रेस ने कहा कि हमारे देश में लाखों लोग भगवान राम की पूजा करते हैं। धर्म एक निजी मामला है। लेकिन आरएसएस/बीजेपी ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिक प्रोजेक्ट बनाया है। भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन स्पष्ट रूप से चुनावी लाभ के लिए किया गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू यादव और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार जैसे कई अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा है कि वे समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं।

बिहार सरकार हर एक बीपीएल परिवार को देगी 2 लाख

बेगूसराय (एजेंसी)। बिहार सरकार ने सरकार ने राज्य से हो रहे पलायन को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस योजना के तहत आर्थिक मदद देकर हर घर में उद्योग स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। बिहार में गरीब परिवारों को रोजगार के लिए सरकार दो-दो लाख रुपए देगी। यह राशि तीन किश्तों में लाभुकों को मिलेगा। उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य के विभिन्न वर्ग के गरीब परिवारों के आर्थिक विकास के लिए बिहार लघु उद्यमी योजना चालू किया गया है। इसी के तहत लाभ दिया जाएगा। इसको लेकर बेगूसराय उद्योग विभाग के कार्यालय के द्वारा भी तैयारी पूरी कर ली गई है। 26 जनवरी के बाद से योजना का लाभ बेगूसराय के निवासी भी ले पाएंगे। यह राशि लाभुकों को तीन किश्तों में दी जाएगी। पहले साल 25 फीसदी, दूसरे साल 50 फीसदी और तीसरे साल 25 फीसदी राशि देय होगी। यह योजना पांच वर्षों के लिए लागू की गयी है। वर्ष 2023-24 में इस योजना का लाभ 26 जनवरी के बाद से प्राप्त कर सकते हैं। बिहार के रहने वाले बीपीएल परिवार के 94 लाख परिवार अपने जिले के उद्योग विभाग के कार्यालय में जाकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बेगूसराय जिला मुख्यालय में उत्पाद थाना के पीछे जिला उद्योग भवन है। जहां जाकर आप इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप भी बिहार में बीपीएल परिवार के सदस्य हैं तो बिहार लघु उद्यमी योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना का लाभ हर बीपीएल परिवार के एक ही सदस्य को मिल मिलेगा, अगर आप इस योजना का लाभ लेना चाहते तो आधार कार्ड और राशन कार्ड लेकर अपने जिला के उद्योग कार्यालय पहुंचे। आपको बता दें कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसी भी कर्मी को कोई भी राशि न दें। अगर आपसे योजना का लाभ लेने के बदले राशि की मांग की जा रही है तो जीएम से इसकी शिकायत कर सकते हैं।

राहुल की न्याय यात्रा पर बोलीं स्मृति ईरानी, बरसाती मेंढक से की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष की तुलना

अमेठी (एजेंसी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर सोमवार को हमला करते हुए उनकी तुलना बरसाती मेंढक से कर दी। अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी के दौरे पर आई स्मृति ईरानी ने संवाददाताओं से बातचीत में राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन पर तंज करते हुए कहा, जब बरसात आती है तो छोटे-छोटे मेंढक निकल आते हैं। उसी तरह अब चुनाव आ रहा है तो लोग आयेंगे और जायेंगे।

उन्होंने कहा कि बरसात जाते ही यह मेंढक गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव आ रहा है तो यह लोग आए हैं और उसके बाद चले जाएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 14 जनवरी से मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की है। उनकी यह यात्रा उत्तर प्रदेश से भी गुजरेगी और महाराष्ट्र में संपन्न होगी।

स्मृति ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए कहा, आज राम भक्तों के लिए ऐतिहासिक दिन है। लगभग 500 साल तक राम भक्तों ने धैर्य दिखाया। जिन भक्तों ने धैर्य और मर्यादा का प्रमाण दिया मैं उनको प्रणाम करती हूं। आज राम भक्तों का सपना साकार हो रहा है। कांग्रेस के अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने से जुड़े एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिसकी जैसी मति है वैसा ही उसका कर्म।

9999 हीरों से सूरत के रत्नकार ने बनाई प्रभु श्रीराम मंदिर की मनमोहक छवि

सूरत। अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी समय से भारत समेत पूरी दुनिया राममय गई थी। हर व्यक्ति प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन है और बड़ी बेसब्री से प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा कर रहा था। 500 वर्षों के बाद प्रत्येक रामभक्त की प्रतीक्षा का आज अंत हो जाएगा। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। ऐसे में आज सूरत से एक रत्नकार की अदभुत कला सामने आई है। रत्नकार ने हीरों का उपयोग कर प्रभु श्रीराम मंदिर की मनमोहक छवि बनाई है। रत्नकार ने यह छवि बनाने में 9999 हीरों का उपयोग किया है। प्रभु श्रीराम के लिए देशभर से नाना प्रकार के उपहार अयोध्या जा रहे हैं। गुजरात के वडोदरा से 108 फूट लंबी अगरबत्ती अयोध्या भेजी गई थी जो वहां प्रज्वलित की जा चुकी है और अपनी सुगंध फैला रही है। प्रभु श्रीराम मंदिर की थीम के साथ एक हीरों का हार भी बनाया गया है। 40 कारीगरों ने 35 दिनों की मेहनत से यह हार बनाया है। अब सूरत के एक रत्नकार द्वारा 9999 के हीरों की मदद से प्रभु श्रीराम मंदिर की छवि तैयार की है।

कई सारी विशेषताएं और खूबियां से तैयार हुआ रामलला का मंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बने दिव्य रामलला के मंदिर का निर्माण नागर शैली में किया गया है। मंदिर में प्रवेश पूर्व दिशा की ओर से होगा। दक्षिण दिशा से भक्तों को मंदिर से बाहर निकाला जाएगा। मंदिर की संरचना तीन मंजिला है। भक्त पूर्वी दिशा से 32 सीढ़िया चढ़कर मुख्य मंदिर में पहुंच सकते हैं।

राम मंदिर की लंबाई 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है। यह मंदिर तीन मंजिला है, जिसमें हर मंजिल की ऊंचाई 20 फीट है। मंदिर में 392 खंबे और 44 द्वार बनाए गए हैं। मंदिर में कुल पांच मंडपों का निर्माण हुआ है, नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप है। रामलला को गर्भ गृह में स्थापित किया जाएगा जो की ग्राउंड फ्लोर पर बना है। पहली मंजिल पर भगवान राम का दरबार सजाया जाएगा। मंदिर में खभों और दीवारों पर देवी देवताओं की मूर्तियों उकेरी गई है। मंदिर के पास एक सीता को ऊपर भी देखने को मिलेगा जो की पौराणिक काल का है। परिसर के हर कोने में सूर्य, भगवती, गणेश और शिव के मंदिर भी बनाए जाएंगे। परिसर के दक्षिणी हिस्से में अन्नपूर्णा और-हनुमान जी का मंदिर होगा। महर्षि वशिष्ठ, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, निषाद राज, शबरी और अगस्त्य के मंदिर भी प्रस्तावित है। रामलला के मंदिर की खासियत है कि यह लोहे का प्रयोग नहीं हुआ है। धरती के ऊपर किसी तरह के कांक्रीट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। मंदिर के नीचे नीव डालने के लिए 14 मीटर मोटी रोलर कंपैक्टेड कांक्रीट बिछाई गई है। धरती की नमी से मंदिर को बचाने के लिए 21 फीट ऊंची प्रिंट ग्रेनाइट से बनी है। मंदिर का पूरा परिसर 70 एकड़ में फैला हुआ है। 70 एकड़ में फैला यह पूरा हिस्सा इसके 70 प्रतिशत इलाके में पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। मंदिर परिसर में पर्यावरण और जल संरक्षण का भी पूरा ध्यान दिया गया है। मंदिर परिसर में स्नानागार, शौचालय, वॉश बेसिन, ओपन टेप्स की सुविधा दी गई है। दिव्यांगजनो और वृद्धों के लिए भी मंदिर में राम और लिफ्ट बनाई गई है। मंदिर में एक दर्शनार्थ सुविधा केंद्र का निर्माण हो रहा है, जिसकी क्षमता 25000 है। दर्शनार्थियों का सामान रखने के लिए लॉकर की व्यवस्था बनेगी है। मंदिर के हर ओर आयातकार पर कोटा निर्मित हो रहा है। मंदिर के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में नवरत्न कुबेर टीला बनाया जाएगा। यहां भगवान शिव के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है। जटायु प्रतिमा की स्थापना भी की गई है।

टाइम्स स्केयर पर दिखा भव्य राम मंदिर

– अमेरिका में भी भक्तों में खुशी की लहर

न्यूयॉर्क । सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की धूम है और अमेरिका में रह रहे भारतीय भी इससे अछूते नहीं है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम स्कायर की स्क्रीन पर भी दिखाया गया। अमेरिका में बसे भारतीय भी प्रभु श्री राम के भव्य राम मंदिर में विराजमान होने वाले ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर टाइम्स स्कायर पर ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर के सदस्यों द्वारा लड्डू भी बांटे गए। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लाइव प्रसारण के लिए न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में जगह-जगह बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। यहां पर राम मंदिर उद्घाटन का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। अमेरिका में हिंदुस्तानियों की बड़ी आबादी रहती है। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के कई देशो में बड़ी संख्या में भारतीयों की आबादी रहती है, वहां राम मंदिर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया। न्यूयॉर्क की ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर संस्था के अनुसार अमेरिका में भी इस कार्यक्रम को बेहद धूमधाम से मनाया जा रहा है। दुनिया भर के लोगों को इस आयोजन से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की ।उन्होंने कहा कि, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार था आज वो दिन आ ही गया। टाइम्स स्कायर में भी लोग जश्न में डूबे हैं और हर जगह अयोध्या जैसी ही लग रही है। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले टाइम्स स्कायर पर ढोल की गूंज के साथ ही, जय श्री राम के नारे लगाए गए। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए न्यूयॉर्क टाइम्स स्कायर पर भारी भीड़ जमा हो गई है। उत्सव में सैकड़ों हिंदुओं ने हिस्सा लिया।

चीन में भूस्खलन, 47 लोग दबे

कुनमिंग। दक्षिण पश्चिम चीन के युन्नान प्रांत में सोमवार सुबह भूस्खलन हो गया, जिसमें कुल 47 लोगों के दबने की खबर है। जानकारी अनुसार झाओटोंग शहर के लियांगशुई गांव में सोमवार सुबह 5-51 बजे यह घटना घटित हुई, जिसमें लापता हुए लोगों की तलाश के लिए 33 अग्निशमन वाहनों और 10 लोडिंग मशीनों के साथ 200 से अधिक बचाव दल लगाए गए हैं। बताया जाता है कि भूस्खलन में करीब 47 लोग दबे हैं।

इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हुई

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के ठिकानों पर इजरायल ने मिसाइलों से हमला किया था, जिसमें मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 13 हो गई। यह जानकारी युद्ध से जुड़े मामलों पर काम करने वाली एक एजेन्सी ने दी है। इस संबंध में सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स का कहना है कि 13 मरने वालों में वे पांच ईरानी भी शामिल हैं जिनमें से तीन ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स में कमांडिंग भूमिका निभाई थी। इनके अतिरिक्त चार सीरियाई ईरानी मिलिशिया के साथ अनुबंधित रहे और दो लेबनानी व्यक्ति समेत एक इराकी नागरिक एवं एक सीरियाई तथा एक नागरिक कार्यकर्ता भी है। गौरतलब है कि इज़रायल ने शनिवार को मिसाइलों से हमला किया था। यह हमला समृद्ध माज़ेह वेस्टर्न विला के पड़ोस पर किया गया था। विशेष रूप से एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया था, जहां कथित रुप से आईआरजीसी कमांडरों की एक बैठक चल रही थी। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसे अत्याचारों को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान भी किया है।

यूक्रेन के बाजार में गोलाबारी में 25 लोगों की मौत

दोनेत्स्क। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के एक बाजार में की गई गोलाबारी में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हमला रविवार सुबह दोनेत्स्क शहर के उपनगर तेकस्तिलशचिक में हुआ है, जिसमें अनेक लोगों की मौत हो गई। गौरतलब है कि दोनेत्स्क में रूस द्वारा शीर्ष अधिकारी डेनिस पुशिलिन तैनात है। उन्होंने बताया कि इस हमले में दो बच्चों समेत 20 लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि गोलाबारी यूक्रेनी सेना द्वारा की गई थी। इस घटना ने यूक्रेन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। पुशिलिन का कहना था कि आपातकालीन सेवा के कर्मचारी घटनास्थल पर बचाव कार्य कर रहे हैं। वहीं, स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रविवार को रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक रासायनिक परिवहन टर्मिनल में दो विस्फोट हुए, जिसके बाद आग लग गई। रिपोर्ट के मुताबिक बंदरगाह पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा हमला किया गया था, जिससे एक गैस टैंक में विस्फोट हुआ और आग फैल गई। रूस स्थित किंगिसेप क्षेत्र में बंदरगाह के प्रमुख यूरी जापलात्स्की ने अपने बयान में कहा है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन जिले में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दर्शन के लिए उत्सुक हूं... रामलला को देख क्यों भावुक हुआ इजरायल

जेरूसलम। आज राम लला अपने मंदिर में प्रगट हो गए हैं। अयोध्या मंदिर में राम लला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई, इस कार्यक्रम को लाखों लोगों ने अपने घरों और देश भर के मंदिरों में टेलीविजन पर देखा। पूरी दुनिया के हिंदू इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। विदेशों में भी राम मंदिर की धूम देखने को मिली। अमेरिका से लेकर फ्रांस तक राम मंदिर का जश्न देखने को मिला। इसी बीच भारत के दोस्त इजरायल का भी राम मंदिर को लेकर बयान सामने आया है। इजरायल राम मंदिर के मॉडल के सामने बैठा और भगवान श्री राम को याद किया। इजरायल ने कहा है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठान के इस शुभ अवसर पर भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के इस्राइली राजदूत नाओर गिलोन ने सोशल मीडिया पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि दुनिया भर के भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। मैं अयोध्या में राममंदिर के जल्द दर्शन के लिए उत्सुक हूं। यकीनन वह मेरे पास मौजूद इस मॉडल से भी अधिक भव्य और सुंदर होगा। इजरायल के इस बयान के बाद भारत के लोगों ने जय श्री राम लिखा। भारतीय लोगों ने कहा कि भगवान राम की कृपा इजरायल पर बनी रहे। बता दें कि इजरायल पर हमास का हमला हुआ और वहां के कई लोगों को बंधक भी बना लिया गया।

ष्ड्डद्यद्बद्धश्ह्वद्बड्ड में 2 सप्ताह में 6 हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़, निकाली गई रैली

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस के उम्मीदवार रितेश टंडन ने दावा किया है कि पिछले दो हफ्तों में कैलिफोर्निया में छह भारतीय मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के प्रतिनिधित्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टंडन ने राज्य सीनेटर आयशा वहाब की प्रतिक्रिया की कमी पर निराशा व्यक्त करते हुए कार्रवाई का आह्वान किया है। टंडन ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि पिछले दो हफ्तों में, छह भारतीय मंदिरों में तोड़फोड़ की गई है, जिनमें से पांच वहाब जिले में स्थित हैं। सीनेटर आयशा वहाब की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। टंडन और प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने बैठक की मांग करते हुए सीनेटर वहाब के कार्यालय के सामने एक रैली आयोजित की। कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान होने के बावजूद, कार्यालय बंद था, जिससे टंडन ने करदाताओं के डॉलर के उपयोग के बारे में चिंता जताई और संभावित वापसी का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आज, हमने सीनेटर वहाब के कार्यालय के सामने एक विरोध रैली आयोजित की, जिसमें उनके कर्मचारियों के साथ बैठक की मांग की गई। दुर्भाग्य से कार्य दिवस पर कार्यालय समय के भीतर होने के बावजूद, कार्यालय बंद था। यह स्थिति आपके कर डॉलर के उपयोग पर प्रकाश डालती है और सुझाव देती है कि इसे वापस लेने पर विचार करने का समय आ गया है।

जर्मनी में नस्लीय भेदभाव और विदेशियों को बाहर किये जाने के विरोध में एक रैली निकाली गयी। इस दौरान लोगों ने बैनर थामे हुए थे।

अब ताइवान के आकाश में दिखाई दिए चीनी गुब्बारे

-ताइपे सरकार ने जताया कड़ा विरोध

ताइवान । ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के ऊपर छह और चीनी गुब्बारे उड़ते हुए दिखाई दिए, जिनमें से एक द्वीप को पार कर गया। ताइवान मंत्रालय का कहना है कि उसने पिछले डेढ़ महीने में इसतरह के गुब्बारे कई बार देखे हैं। मंत्रालय ने महीने की शुरुआत में कड़े शब्दों में बयान में चीन पर विमानन सुरक्षा को धमकी देने और ताइवान के 13 जनवरी के चुनावों से कुछ दिन पहले गुब्बारों के साथ द्वीप के लोगों पर मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया था। चीनी रक्षा मंत्रालय, जिसने पिछले महीने गुब्बारों पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया था, ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। ताइपे सरकार की कड़ी आपत्तियों के बावजूद चीन ताइवान पर अपना दावा करता है। जासूसी के लिए चीन द्वारा गुब्बारों का उपयोग करने की संभावना पिछले फरवरी में एक वैश्विक मुद्दा बन गई जब अमेरिका ने एक चीनी निगरानी गुब्बारे को मार गिराया। चीन ने कहा कि गुब्बारा एक नागरिक जहाज था जो गलती से भटक गया। नवीनतम घटना में मंत्रालय ने सोमवार को पिछले 24 घंटों में चीनी सैन्य गतिविधियों पर अपनी दैनिक रिपोर्ट में खुलासा किया कि रविवार को छह गुब्बारे जलडमरूमध्य की संवेदनशील मध्य रेखा पर उड़ गए थे। हालाँकि, मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए मानचित्र के अनुसार, केवल एक ने दक्षिणी सिरे पर स्थित ताइवान द्वीप को पार किया। मंत्रालय ने कहा कि अन्य पांच गुब्बारे ताइवान के उत्तर की ओर उड़े लेकिन जमीन के ऊपर से नहीं उड़े।

बंधकों की रिहाई के बदले युद्ध समाप्त करने की हमास की शर्तों को नेतन्याहू ने किया खारिज

-कहा- सैनिकों की शहादत व्यर्थ हो जाएगी

जेरूसलम (एजेंसी)। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध को समाप्त करने और बंधकों को रिहा करने के लिए हमास द्वारा प्रस्तुत शर्तों को खारिज कर दिया, जिसमें इजरायल की पूर्ण वापसी और गाजा में हमास को सत्ता में छोड़ना शामिल होगा। जैसे ही इजरायली विमानों ने दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस पर बमबारी शुरू की, हमास के वरिष्ठ अधिकारी सामी अबू जुहरी ने रॉयटर्स को बताया कि इजरायली नेता द्वारा गाजा में सैन्य आक्रमण को समाप्त करने से इनकार करने का इसका मतलब है कि (इजरायली) बंदियों की वापसी की कोई संभावना नहीं है।

नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि हमारे बंधकों की रिहाई के बदले में हमास युद्ध की समाप्ति, गाजा से हमारी सेना की वापसी, सभी हत्यारों और बलात्कारियों की रिहाई की मांग करता है और हमास को बरकरार रखने की मांग करता है। नेतन्याहू ने कहा कि मैं हमास के राक्षसों के आत्मसमर्पण की शर्तों को सिरे से खारिज करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका, कतर और मिस्र द्वारा नवंबर के अंत में किए गए एक समझौते के तहत, 7 अक्टूबर को हमास आतंकवादियों के हमले के दौरान गाजा में बंदी बनाए गए अनुमानित 240 बंधकों में से 100 से अधिक को इजरायल में रखे गए 240 फिलिस्तीनियों की रिहाई के बदले में मुक्त कर दिया गया था।

नेतन्याहू को कैद में रह गए 136 बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ा है। बंधकों और लापता व्यक्तियों के परिवार फोरम ने एक बयान में मांग की कि नेतन्याहू स्पष्ट रूप से कहें कि हम अक्टूबर की पराजय में अपहृत नागरिकों, सैनिकों और अन्य लोगों को नहीं छोड़ेंगे। इसमें कहा गया कि हमें अब सौदे को आगे बढ़ाना चाहिए। अगर प्रधान मंत्री बंधकों की बलि देने का फैसला करते हैं, तो उन्हें नेतृत्व दिखाना चाहिए और ईमानदारी से इजरायली जनता के साथ अपनी स्थिति साझा करनी चाहिए।

नेल्सन मंडेला की निजी वस्तुओं की फरवरी में होगी नीलामी, समाधि पर स्मारक उद्यान बनाने की योजना

जोहानिस्बर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की समाधि के आसपास स्मारक उद्यान बनाने के लिए उनकी लगभग 100 निजी वस्तुओं की फरवरी में नीलामी की जाएगी। नीलामी की जाने वाली वस्तुओं में अल्पसंख्यक श्वेत सरकार के राजनीतिक कैदी के रूप में 27 वर्ष तक जेल की सजा काट कर रिहा होने के बाद मंडेला को दिया गया पहचान दस्तावेज भी शामिल है। नीलामी में वह 'मदीबा शर्ट' भी रखी जाएगी जो उन्होंने महारानी एलिजाबेथ से मुलाकात के दौरान पहनी थी।

एक कैदी से राष्ट्रपति बनने तक की अपनी अभूतपूर्व यात्रा के सबसे यादगार अवसर पर मंडेला ने जो थ्री पीस पिनस्ट्राइप सूट पहना था और उन्हें उपहार में मिली सोने और चांदी की कई वस्तुओं की नीलामी की जाएगी। न्यूयॉर्क स्थित कंपनी ग्वेर्नसे की द्वारा की जाने वाली यह नीलामी मंडेला की बेटी मकाज़ीवे द्वारा 2022 में हुई कानूनी लड़ाई जीतने के बाद संभव हो पाई। दक्षिण अफ़्रीकी विरासत संसाधन एजेंसी (एसएएचआरए) ने 2022 की जनवरी में होने वाली नीलामी को रोकने की कोशिश की थी।

एजेंसी ने अदालत में दलील दी थी कि जिन 29 वस्तुओं की नीलामी की जानी है, उनमें रोबेन आइलैंड में मंडेला की जेल कोठरी की असली चाबी भी शामिल है। उसने कहा कि यह राष्ट्रीय संपत्ति है और इसे उनकी बेटी निजी संपत्ति बताकर नहीं बेच सकती। उसने कहा कि इसे सुरक्षित रखने के लिए इसे दक्षिण अफ्रीका को लौटाया जाना चाहिए। एजेंसी जिन वस्तुओं को विरासत सामान के रूप में अपने पास रखना चाहती थी उनमें मेंडला का पहचान दस्तावेज, उनके द्वारा जेल से अपने परिजनों एवं अन्य को लिखे गये पत्र, कारागार में रहते हुए उनके द्वारा बनाये गये रेखाचित्र तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सहित राष्ट्र प्रमुखों द्वारा उन्हें दिये गये उपहार शामिल हैं।

लॉन्ग कोविड के कारण अभी भी अज्ञात

-अधिकांश लोग गंभीर बीमारी के बाद हो जाते हैं ठीक

लंदन (एजेंसी)। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा, लंबे समय तक रहने वाले कोविड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सार्स-सीओवी-2 वायरस से संक्रमित अधिकांश लोग गंभीर बीमारी के बाद ठीक हो जाते हैं। यह पहचान की है स्विस शोधकर्ताओं की एक टीम ने। हालांकि, संक्रमित लोगों में कुछ को लंबे समय तक चलने वाले लक्षण विकसित होते रहते हैं। लॉन्ग कोविड के कारण अभी भी अज्ञात हैं, और कोई नैदानिक परीक्षण या उपचार नहीं हैं। स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख विश्वविद्यालय (यूजेडएच) के अध्ययन ने इस बारे में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के एक हिस्से की भूमिका को इंगित किया जो आम तौर पर संक्रमण से लड़ने और क्षतिग्रस्त और संक्रमित शरीर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करता है।

यूजेडएच में इम्यूनोलॉजी के प्रोफेसर ओनूर बॉयमैन ने कहा, लंबे समय तक कोविड वाले रोगियों में, प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा जिसे पूरक प्रणाली कहते हैं, अपनी मूल स्थिति में वापस नहीं आती, बल्कि सक्रिय रहती है और इस प्रकार, स्वस्थ शरीर की कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है। शोधकर्ताओं ने सार्स-सीओवी-2 संक्रमण के बाद एक वर्ष तक 113 कोविड रोगियों का अध्ययन किया और उनकी तुलना 39 स्वस्थ लोगों से की।छह महीने के बाद, 40 रोगियों में सक्रिय लांग कोविड बीमारी थी। अध्ययन प्रतिभागियों के रक्त में 6,500 से अधिक प्रोटीन का तीव्र संक्रमण के दौरान और छह महीने बाद विश्लेषण किया गया।

एक्टिव लॉन्ग कोविड में ब्लड प्रोटीन में परिवर्तन पूरक प्रणाली के प्रोटीन के बीच संबंध का संकेत देते हैं, जो रक्त के थक्के जमने और टीशू क्षति और सूजन की मरम्मत में शामिल होते हैं। इसके विपरीत, लंबे समय तक बीमारी से उबरने वाले कोविड रोगियों का रक्त स्तर छह महीने के भीतर सामान्य हो गया। इसलिए सक्रिय लॉन्ग कोविड की पहचान रक्त में प्रोटीन पैटर्न से होती है। बॉयमैन ने कहा, हमारा काम न केवल बेहतर निदान की नींव रखता है, बल्कि नैदानिक अनुसंधान का भी समर्थन करता है जिनका उपयोग पूरक प्रणाली को विनियमित करने के लिए किया जा सकता है। यह लंबे समय तक कोविड वाले रोगियों के लिए अधिक लक्षित उपचारों के विकास के लिए नए रास्ते खोलता है।

बॉयमैन की टीम में शामिल पोस्टडॉक्टरल शोधकर्ता कार्लो सर्विया-हस्लर ने समझाया, लॉन्ग कोविड में किन प्रोटीनों में बदलाव किया गया, इसके विश्लेषण से पूरक प्रणाली की अत्यधिक गतिविधि की पुष्टि हुई। सक्रिय लॉन्ग कोविड वाले रोगियों में भी रक्त का स्तर ऊंचा था, जो लाल रक्त कोशिकाओं, प्लेटलेट्स और रक्त वाहिकाओं सहित शरीर की विभिन्न कोशिकाओं को नुकसान का संकेत देता है।

ट्रंप के रास्ते से एक और कांटा हुआ दूर... रोनाल्ड डीसैंटिस दौड़ से हटे

-अब सिर्फ ट्रंप और निक्की हेली के बीच मुकाबला

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक और कांटा दूर हो गया है। फ्लोरिडा के गवर्नर रोनाल्ड डीसैंटिस ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ से हटने और पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर ट्रंप का समर्थन करने की घोषणा की। अब भारतीय-अमेरिकी और दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली (51) इकलौती रिपब्लिकन नेता हैं, जो ट्रंप (77) के खिलाफ उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल हैं।

बता दें कि इसके पहले भारतीय मूल के नेता विवेक रामास्वामी ने भी रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की रेस से खुद को बाहर किया था। उन्होंने कहा था कि मैं इस देश और पार्टी की सेवा करना चाहता हूं, जिसके लिए मैंने ट्रंप के समर्थन का निर्णय लिया है।

ट्रंप अभी तक रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं और पार्टी के ज्यादातर सदस्य उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह आयोवा कॉकस में जीत हासिल की और वह न्यू हैम्पशायर प्राइमरी चुनाव में आगे चल रहे हैं जहां 23 जनवरी को मतदान होना है। एक वक्त में ट्रंप के लिए कड़ी चुनौती के रूप में देखे जा रहे डी सैंटिस के नाम वापस लेने से अब रिपब्लिकन पार्टी में मुकाबला ट्रंप और हेली के बीच है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पूर्व राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए तैयार हैं और नवंबर 2024 का राष्ट्रपति चुनाव 2020 के चुनाव की तरह ही ट्रंप बनाम बाइडन होगा। डीसैंटिस ने वीडियो संदेश में कहा, ''आयोवा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद हमने आगे के अपने कदम पर विचार-विमर्श किया। अगर अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए कुछ होता तब मैं कर सकता था, और मैं करूंगा। लेकिन अगर हमें जीत का पक्का भरोसा नहीं है तब मैं अपने समर्थकों से अपना वक्त और पैसा खर्च करने के लिए नहीं कह सकता। यह देखकर मैं आज अपना अभियान निलंबित कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, मुझे स्पष्ट हो गया है कि ज्यादातर रिपब्लिकन प्राइमरी मतदाता ट्रंप को एक और मौका देना चाहते हैं। मेरी ट्रंप से कई मुद्दों पर असहमतियां हैं, लेकिन वह वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन से बेहतर हैं। ट्रंप को मेरा समर्थन प्राप्त है। ट्रंप ने डीसैंटिक के उम्मीदवारी वापस लेने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''मैं रोनाल्ड का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं और बहुत अच्छा काम करने के लिए उन्हें बधाई देता हूं। वहीं, हेली ने कहा कि वह दौड़ में बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं डीसैंटिस से कहना चाहती हूं कि उन्होंने अच्छा मुकाबला किया। वह बहुत अच्छे गवर्नर रहे हैं और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मारे गए नेपालियों को रूस देगा मुआवजा

– नेपाल सरकार ने कहा, वापस भेज दें हमारे सभी लोग

काठमांडू (एजेंसी)। रूस नेपाल के उन युवाओं के परिवारों को मुआवजा देगा, जो यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मारे गए हैं। यह बात नेपाल के नए विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद ने कही है। सऊद ने कहा कि रूस युद्ध में मारे गए नेपालियों के परिवारों को इसका भुगतान सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही सभी जरूरी व्यवस्था की जाएगी। अब तक रूस की ओर से लड़ते हुए 13 नेपाली नागरिकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। नेपाल के 113 परिवारों ने विदेश मंत्रालय से संपर्क कर रूसी सेना में भर्ती अपने सदस्यों के ठिकाने की तलाश करने का आग्रह किया है। अभी तक ये सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है कि कितने नेपाली नागरिक रूसी सेना में शामिल हुए हैं। रूसी सरकार यूक्रेन के साथ युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों के परिवारों को मुआवजे के रूप में पांच मिलियन रूबल का भुगतान करेगी और घायल सानिकों को तीन मिलियन रूबल देगी। युद्ध में मारे गए या घायल हुए विदेशी सैनिकों को भी यही राशि दी जाएगी या ये कुछ कम-ज्यादा होगी, ये अभी स्पष्ट नहीं है। नेपाली विदेश मंत्री सऊद ने इस पर कहा कि जहां तक मुझे बताया गया है कि मुआवजा राशि 7 मिलियन रुपए या इसके आसपास होनी चाहिए। रूस ने पहले मुआवजा पाने के लिए मृतक सैनिकों के परिवार को बुलाने की बात कही थी। इसे नेपाल ने खारिज करते हुए कहा कि यह संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी परिवारों के सदस्य विभिन्न कारणों से रूस की यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए मॉस्को में नेपाली दूतावास को राशि प्रदान करने का अनुरोध किया गया। सऊद ने कहा कि वे जल्द ही रूसी पक्ष के साथ समझ के माध्यम से समाधान ढूंढ लेंगे। रूसी सेना में सेवा देने वाले लोगों के परिवारों को दी जाने वाली रूसी नागरिकता पर मंत्री ने कहा कि यह संबंधित सदस्यों पर निर्भर है। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा हस्ताक्षरित एक डिक्री के अनुसार रूस उन विदेशी नागरिकों और उनके परिवारों को नागरिकता देगा, जो यूक्रेन में रूस के लिए लड़ रहे हैं।

उम्मीद से ज्यादा होगी गर्मी, तपती धरती पर रहना हो जाएगा मुश्किल

पेरिस (एजेंसी)। आने वाले समय में धरती पर तपन बहुत तेज हो जाएगी। लोगों को जीना दूभर होगा और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाएगा। वर्तमान डेटा से पता चल रहा है कि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की वैश्विक प्रतिबद्धता का उल्लंघन हो रहा है और गर्मी में वृद्धि तेज होती जा रही है। बाढ़, आग और तूफान जैसी चरम मौसमी घटनाओं में तेजी होना तेजी से गर्म हो रही धरती के परिणाम बता रहे हैं। हैनसेन ने भविष्यवाणी की है, 'अगले वसंत के बाद से कोई तर्क ही नहीं बचा होगा, हम ट्रेंड (धरती सका बढ़ता तापमान) से बहुत दूर हो जाएंगे।'

फ्रांस ने हाल ही में धरती पर ग्लोबल वार्मिंग पर अध्ययन किया गया। पॉल सबेटियर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक ऑड्रे मिनिएर के नेतृत्व में की गई स्टडी के अनुसार, पृथ्वी के गर्म होने की प्रवृत्ति में तेजी आई है। उन्होंने इसके साक्ष्य भी प्रस्तुत किया है। इसका असर खासकर समुद्र के तापमान में बदलाव पर भी पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग में तेज़ी को लेकर वैज्ञानिक समुदाय में भी बहस छिड़ी हुई है। जलवायु वैज्ञानिक जेके हस्फादर ने बताया कि एक अन्य अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि 2010 के बाद से वार्मिंग की दर में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।शोध वैज्ञानिक रिपोर्ट में प्रकाशित किया गया था और ग्रह पर त्वरित वार्मिंग और इसके दूरगामी प्रभावों को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित किया गया था। पृथ्वी के गर्म होने की प्रवृत्ति से संबंधित परिवर्तनों को जिम्मेदार ठहराने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा, 'पृथ्वी के गर्म होने का दीर्घकालिक कारण के रूप में सीओ 2 सांद्रता में वृद्धि और उसी अवधि के दौरान एयरोसोल एकाग्रता में गिरावट को दर्शाता है।' लेकिन इन परिवर्तनों को उचित रूप से बताने के लिए आगे की जांच आवश्यक है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोष ने आजादी के लिए बनाई थी आजाद हिंद फौज!

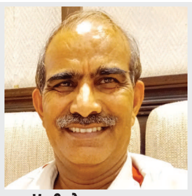

डॉ श्रीगोपाल नारसन

सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना की। देश के बाहर रह रहे लोग इस सेना में शामिल हो गए। आजाद हिंद फौज में महिलाओं के लिए झांसी की रानी रेजीमेंट बनाई गई। सन 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झंडे दिखाए और कोलकाता में सुभाष चंद्र बोस ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया।सुभाष चन्द्र बोष आजादी के आंदोलन में गरमदल के नायक थे।

नेताजी सुभाषचंद्र बोष एक मात्र ऐसे आजादी के महानायक हुए है जिन्होंने अंग्रेजों को धूल चटाने के लिए एक सैन्य संगठन आजाद हिंद फौज का गठन किया था।उन्होंने अपने इंकलाबी नारे
तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा..! को चरितार्थ कर दिखाया था ।महान क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस देश के लिए न सिर्फ 11 बार जेल गए थे। उन्होंने देश मे ही नही ,विदेश में भी अपनी सैन्य शक्ति का लौहा मनवाया।नेताजी सुभाष चन्द्र बोष का जन्म 23 जनवरी सन 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ। उनके पिता कटक शहर के जाने-माने वकील थे।वे एक संपन्न बंगाली परिवार से संबंध रखते थे।उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस था। जबकि उनकी मां का नाम प्रभावती था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस समेत उनकी 14 संतानें थी। जिनमें 8 बेटे और 6 बेटियां थी। सुभाष चंद्र उनकी 9वीं संतान और पांचवें बेटे थे।
उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कटक से प्राप्त की। उच्च शिक्षा के लिए वे कलकत्ता चले गए। और वहां के प्रेज़िडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की।
इसके बाद वे इण्डियन सिविल सर्विस की तैयारी के लिए इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय चले गए।अंग्रेजों के शासन में भारतीयों के लिए सिविल सर्विस में जाना बहुत मुश्किल था।सुभाष चंद्र बोस ने सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान हासिल किया।सन 1921 में भारत में आजादी आंदोलन की बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर सुभाष बोस भारत लौट आए और उन्होंने सिविल सर्विस छोड़ दी।इसके बाद नेताजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ जुड़ गए थे।वह सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा को छोड़कर देश को आजाद कराने की मुहिम का हिस्सा बन गए थे जिसके बाद ब्रिटिश सरकार ने उनके खिलाफ कई मुकदमें दर्ज किए गए।जिस कारण सुभाष चंद्र बोस को अपने जीवन में 11 बार जेल जाना पड़ा। वे सबसे पहले 16 जुलाई 1921 को जेल गए थे।जब उन्हें छह महीने के लिए सलाखों के पीछे जाना पड़ा था।

महात्मा गांधीजी को सबसे पहले राष्ट्रपिता कहकर सुभाष चंद्र बोस ने ही संबोधित किया था। जबकि सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहले नेताजी कहकर एडोल्फ हिटलर ने पुकारा था। जलियांवाला बाग कांड से विचलित होकर ही वह आजादी की लड़ाई में कूदे थे।
विद्यार्थी जीवन मे एक अंग्रेजी शिक्षक द्वारा भारतीयों को लेकर आपत्तिजनक बयान करने पर उन्होंने उसका खासा विरोध किया, जिस कारण उन्हें कॉलेज से निकाल दिया गया था। नेताजी बचपन ही से विलक्षण प्रतिभा के छात्र रहे। आजादी के संग्राम में शामिल होने के लिए उन्होंने भारतीय सिविल सेवा की नौकरी तक ठुकरा दी थी। उन्होंने लंदन से आईसीएस की परीक्षा पास की थी। सन1921 से सन1941 के बीच नेताजी को भारत में अलग-अलग जेलों में 11 बार कैद में रखा गया। सन 1943 में नेताजी जब बर्लिन में थे तब उन्होंने वहां आजाद हिंद रेडियो और फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना की थी। नेताजी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दो बार अध्यक्ष चुना गया। उन्हें किताबों को पढ़ने का बहुत शौक था। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की बहुत सी किताबें पढ़ीं। सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना की। देश के बाहर रह रहे लोग इस सेना में शामिल हो गए। आजाद हिंद फौज में महिलाओं के लिए झांसी की रानी रेजीमेंट बनाई गई। सन 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झंडे दिखाए और कोलकाता में सुभाष चंद्र बोस ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया।सुभाष चन्द्र बोष आजादी के आंदोलन में गरमदल के नायक थे,लेकिन नरम दल से जुड़े आजादी के नायकों का भी सम्मान करते थे।देश के लिए समर्पित आजाद हिंद फौज के इस महानायक की मृत्यु का रहस्य आज तक बना हुआ है कि उनकी मृत्यु कहा,कब और कैसे हुई।आज भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत से जुड़े कई किस्से - कहानियां बताए जाते हैं, लेकिन पुख्ता तौर पर आज भी ये सामने नहीं आया है कि उनकी मौत कैसे हुई।वहीं सरकारी घोषणा के अनुसार, नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945 में एक विमान हादसे में हुई थी।
नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को देश प्रेम दिवस घोषित करने की मांग की थी,जो आज तक पूरी नही हुई। इस बारे में पहले भी केंद्र सरकार से मांग की गयी है।नेताजी ने पूर्ण स्वराज की बात कही थी।उन्होंने कहा था कि देश में विभाजन की राजनीति बंद होनी चाहिए।नेताजी के अध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद व नेताजी ने देश के युवाओं को एकजुट रहने का आह्वान किया था तथा सभी धर्म के लोगों में सदभाव बात कही थी।उसका पालन किया जाना चाहिए।
नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्रकुमार बोस ने टोक्यो के रैंकोजी मंदिर में रखी नेताजी की अस्थियों का डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए ताकि नेताजी के निधन को लेकर बने रहस्य पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। आज तक यह पता नहीं चला कि 18 अगस्त सन1945 को तायहोकु में हुए हवाई हादसे के बाद क्या वाकई वो जिंदा थे या फिर उनकी मृत्यु हो गई थी, भारत में इसकी जांच को लेकर तीन आयोग बन चुके हैं।
पहले दो आयोगों का कहना है कि नेताजी का निधन 18 अगस्त 1945 को ताइवान के तायहोकु एयरपोर्ट पर हो चुका है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मुखर्जी जांच आयोग ने इससे एकदम उलट रिपोर्ट दी।उसके बाद से ही नेताजी की जापान के मंदिर में रखी अस्थियों की डीएनए जांच का मुद्दाचर्चा में रहा है।वास्तव में इस रहस्य से पर्दा उठाना व उनके जैसी राष्ट्रभक्ति का जज्बा पैदा करना ही नेताजी सुभाष चन्द्र बोष के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि कही जा सकती है।

संपादकीय

म्यांमार सीमा पर बाड़बंदी

केंद्र सरकार म्यांमार सीमा पर लोगों की मुक्त आवाजाही को बंद करेगी और इसकी पूरी तरह से बाड़बंदी करेगी ताकि बांग्लादेश से लगी सीमा की तरह ही इसकी भी सुरक्षा की जा सके। असम पुलिस की पांच नवगठित कमांडो बटालियन के प्रथम बैच की नई दिल्ली में ह्यपासिंग आउट परेडह्न को शनिवार को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात कही। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही समझौता पर पुनर्विचार कर रही है ताकि मुक्त आवाजाही को रोका जा सके। अभी जो व्यवस्था है, उसके तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना बीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर अंदर तक आने-जाने की अनुमति प्राप्त है। भारत के चार राज्य अरुणाचल

प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम म्यांमार के साथ सीमा साझा करते हैं, और इन राज्यों की म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा है। दरअसल, पूर्वोत्तर के राज्य ही नहीं, बल्कि भारत की सीमा नेपाल जैसे देशों के साथ भी सीमा पर आवाजाही निर्बाध रहती है। दोनों देशों के लोग एक दूसरे की सीमा में जाकर हाट-बाजार कर आते हैं, और पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश के साथ सीमा का तो आलम यहां तक है कि मकानों की दीवार तक सीमा तय करती हैं। ऐसे में अवैध अप्रवासन की समस्या बराबर बनी रहती है, और असम और पश्चिम बंगाल में तो कई विधानसभा क्षेत्रों में तो डमोग्राफिक चरित्र ही बदल चुका है। पूर्वोत्तर में जिस तरह से मणिपुर में खुसपैठियों की समस्या लंबे समय तक अनदेखी रही, उससे आज पूर्वोत्तर के इस राज्य में अराजक हालात हैं। इसलिए जरूरी है कि भारत को अपने तमाम पड़ोसी देशों के साथ लगती सीमाओं पर आम जन की निर्बाध आवाजाही की अनुमति तो सिरे से देनी ही नहीं चाहिए। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा और राजस्थान में पाकिस्तान से लगती सीमा पर तारबंदी किए जाने के अच्छे परिणाम मिले हैं और तारबंदी से सुरक्षा बलों को सीमाओं की निगहबानी करने में खासी मदद मिली है। दरअसल, आज का दौर भू-राजनीतिक दुरियों को बढ़ाने वाला समय है, और सीमाओं पर शिथिलता जैसी लापरवाही न केवल सीमाओं, बल्कि आंतरिक हालात को बिगाड़ देने का सबब बन सकती है। वैसे भाजपा-नीत सरकार में जम्मू-कश्मीर, नक्सली प्रभावित इलाकों और पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में 73 फीसद कमी आई है, और इस सुखद प्रगति के लिए बेशक, मोदी सरकार श्रेय की पात्र है।

चिंतन-मनन

ईश्वरीय सिद्धांत

तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्धांत व्यक्त होते हैं- यह जो संसार है परमात्मा से व्याप्त है, उसके अतिरिक्त सब मिथ्या है, माया है, भ्रम है, स्वप्न है। मनुष्य को उसकी इच्छानुसार सृष्टि संचालन के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मनुष्य में जो श्रेष्ठता-शक्ति या सौन्दर्य है वह उसके दैवी गुणों के विकास पर ही है। मनुष्य जीवन के सुख और उसकी शांति के लिए इन तीनों सिद्धांतों का पालन ऐसा ही पुण्य-फलदायक है। ईश्वर उपासना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है। उपासना विकास की प्रक्रिया है। संकुचित को सीमारहित करना, स्वार्थ को छोड़कर परार्थ की ओर अग्रसर होना मनुष्य के आत्मतत्त्व की ओर विकास की परंपरा है। पर यह तभी संभव है जब सर्व-शक्तिमान परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर लें, उसकी शरणागति की प्राप्ति हो जाय। मनुष्य रहते हुए मानवता की सीमा को भेदकर उसे देवस्वरूप में विकसित कर देना ईश्वर की शक्ति का कार्य है। जान-बूझकर या अकारण परमात्मा कभी किसी को दंड नहीं देता। प्रकृति की स्वच्छंद प्रगति प्रवृत्ति में ही सबका हित नियंत्रित है। जो इन प्राकृतिक नियमों से टकराता है वह बार-बार दुःख भोगता है और तब तक चैन नहीं पाता, जब तक वापस लौटकर फिर उस सही मार्ग पर नहीं चलने लगता है। भगवान भक्त की भावनाओं का फल तो देते हैं, किंतु उनका विधान सभी संसार के लिए एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी जब तक अपने आप की सीमाएं नहीं पार कर लेता, तब तक अटूट विश्वास, दृढ़ निश्चय रखते हुए भी उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता। अपने से विमुख प्राणियों को भी वे दुःख-दंड नहीं देते। मनुष्य का विधान तो देश, काल और परिस्थितियों वश बदलता भी रहता है, किंतु उसका विधान सदैव एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी उसकी चाहे कितनी ही उपासना करे- सांसारिक कर्त्तव्यों की अवहेलना कर या दैवी-विधान का उल्लंघन कर कभी सुखी नहीं रह सकता। जैसा कर्म-बीज वैसा ही फल, यह उसका निश्चल नियम है। सुख और दुःख, बंधन और मुक्ति मनुष्य के कर्मो के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। दुष्कर्मो का फल भोगने से मनुष्य बच नहीं सकता। अपनी तुच्छ सत्ता को परमात्मा की शरणागति में ले जाने से मनुष्य अनेकों कष्ट- कठिनाइयों से बच जाता है। गृहपति की अवज्ञा करके जिस तरह घर का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रह सकता, उसी प्रकार परमात्मा का विरोधी भी कभी सुखी या संतुष्ट नहीं रह सकता।

पूरी हुई चिर अभिलाषा, मंदिर में विराजे सबके श्री राम

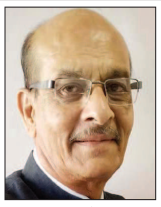

सनत जैन

अयोध्या में आज22 जनवरी 2024 को भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया है। भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ। भक्तों के मन में अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनाने की जो चिर अभिलाषा थी। वह मंदिर मैं प्रभु रामललला की प्राण प्रतिष्ठा पूरी हो गईं है। आज भगवान राम नवनिर्मित भव्य, दिव्य नव्य मंदिर में दोपहर प्राण प्रतिष्ठा के साथ विराजित हो गए हैं। भगवान राम हर मनुष्य एवं सभी जीवों की आत्मा में जीवंत रूप से बसते है। जीवन ही भगवान राम की उपस्थिति का एहसास कराता है। आज उस राम को मंदिर में देखकर सभी लोगों के मन में हर्ष और प्रफुल्लितहो रहा है। भगवान राम के प्रति आस्था और विश्वास का उत्साह आज संपूर्ण भारतवर्ष में देखने को मिला है।भगवान राम के अनेकानेक रूप हैं। हर कोई भगवान राम की अपने हिसाब से उनकी मयार्दा पुरुषोत्तम राम के रूप में, उनके प्रति आस्था और प्रेम प्रदर्शित करता है। हनुमान के राम बिल्कुल अलग है। उन्होंने अपनी स्वयं के अस्तित्व को भगवान राम के चरणों में समर्पित करते हुए, राम भक्तों के दुख दर्द को दूर करने का जो मार्ग चुना है।राम के प्रति भक्ति ही हनुमान जी को राम मैं समाहित करती है।आज भी बजरंगबली का नाम लेने से भगवान राम भक्तों के कष्ट दूर करने के लिए अवतरित हो जाते हैं। सीता के राम अलग है। लक्ष्मण के राम अलग है। भारत के राम अलग हैं। वाल्मीकि के राम अलग हैं। तुलसीदास जी के राम अलग हैं। हर कोई अपने राम को अपने तरीके से देखता है। अपने अनुसार राम का अनुसरण करता है।हर भक्त के अपने-अपने राम है। जितने भी मनुष्य हैं, सबने राम की अलग-अलग कल्पनाएं अपने मन में बना रखी हैं। माना जाता है,कि मनुष्य जीवन में राम ही पुरुषार्थ के कारक हैं। जब तक आत्मा में राम बसते हैं। तब तक ही जीवन रहता है। जब राम शरीर से बाहर निकलते हैं, तो शारीरिक जीवन समाप्त हो जाता है। लेकिन आत्मा में राम बने रहते हैं। भारत में राम की महिमा हर संप्रदाय और हर समाज के बीच में कई सदियों से चली आ रही है। सामाजिक व्यवहार में भी भगवान राम, अभिवादन में,जन्म में,मृत्यु में और हर अच्छे बुरे समय में राम के प्रति आस्था और उनके प्रति समर्पण राम के अस्तित्व को बताता है। लोगों के जीवन को संवारता है।भगवान विष्णु के अवतार के रूप में भगवान राम ने,पृथ्वी में मनुष्य रूप में जन्म लिया। उन्होंने मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में अपना मनुष्य जीवन जिया। सभी प्राणी मात्र के लिए उन्होंने एक संदेश दिया। वही संदेश आज हम सबके जीवन का आधार है। राम मन में होते हैं।हमेशा होते हैं। इसका एहसास हम कई बार समय-समय पर स्वयं करते हैं। लोभ क्रोध मोह माया के कारण हम अपनी मयार्दाओं से जब अलग होते हैं।उस समय हमारा मार्गदर्शन करने के लिए भगवान राम की मयार्दाएं और उनके आचरण से हम अपने आप को संभालने का काम करते हैं। धार्मिक ग्रंथो में कहा गया है, कर्म का फल प्रत्येक मनुष्य को भोगना पड़ता है।जन्म जन्मांतर का कारण भी कर्म फल हैं। मनुष्य जीवन में सभी लोगों को कर्म फल के आधार पर उनका भाग्य होता है। वह कर्म फल और भाग्यफल के अनुसार ही पुरुषार्थ करते हैं। अपने जीवन को श्रेष्ठतम बनाने का कार्य करते हैं। इसके लिए मनुष्य जन्म को दुर्लभ बताया गया है। मनुष्य जीवन में सर्वोत्तम मयार्दाओं के साथ जीवन जीते हुए भगवान राम ने सारे जगत को एक मार्ग दिखाया है। वही हमारी आस्था और विश्वास का कारण है। धर्म आचरण से आता है। जब हम भगवान राम के बताए हुए मार्ग को अपने आचरण में ले आते हैं।तभी हम धर्म का पालन कर रहे होते हैं। धर्म का पालन करने पर अपनी आत्मा को श्रेष्ठतम बनाने का काम करते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के इस समारोह में आज देश भर के सभी लोगों में जिस तरह का उत्साह, आस्था और विश्वासभगवान राम के प्रति देखने को मिल रहा है। वह सभी के लिए बहुत अच्छा है। आज हमें भगवान राम के बारे में जानने के लिए वह सब कुछ मिल रहा है। जो पूर्व में संभव नहीं था।अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व जिस तरह से भगवान राम के जीवन चरित्र का गुणगान बोलकर, बताकर, लिखकर, भजनों के माध्यम से प्रवचन के माध्यम से वर्तमान युग में टेलीविजन मैं प्रदर्शित फिल्मों और सीरियलके माध्यम से राम के वास्तविक चरित्र का जो वर्णन किया गया है। वह भारत और दुनिया के करोड़ों लोगों के लिए भगवान राम के वास्तविक स्वरूप को जानने का एक माध्यम है। राम किसी एक के नहीं हो सकते हैं। सबकी आत्मा में राम है।सबके राम हैं। भगवान राम अजर अमर हैं। भगवान राम की जो प्राण प्रतिष्ठा आज अयोध्या में हो रही है। वह हम सब लोगों के लिए सौभाग्य का विषय है। यह सौभाग्य हमेशा बना रहे, यही भगवान राम और उनके सबसे बड़े भक्त हनुमान जी हैं। साक्षात जीवन में हनुमान जी कृपा , बल बुद्धि और विद्या के देव होकर भी अहंकार से पूरी तरह से परे हैं। एक सेवक की तरह वह राम भक्तों की हर पीड़ा को दूर करने का काम करते हुए भगवान राम के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं।वही आस्था और विश्वास हम सबके बीच में भी हो, यही प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के प्रति हमारी सच्ची निष्ठा और धार्मिक होने का प्रमाण होगा। जय श्री रामजय सियाराम जय हनुमान।

मुद्दा : शिक्षा के गिरते स्तर की तस्वीर

देवेन्द्राज सुथार

ग्रामीण भारत में 14-18 साल के किशोरों में बड़ी संख्या ऐसी है, जिनमें पढ़ने-लिखने की बुनियादी क्षमता नहीं है। 14-18 साल की उम्र के एक चौथाई किशोर छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा में लिखी दूसरी क्लास की किताब भी फरार्टे से नहीं पढ़ सकते। 42 फीसद से ज्यादा छात्र अंग्रेजी में लिखे वाक्य नहीं पढ़ सकते। जीरो सेंटीमीटर से शुरू कर स्केल मापना हो तो 85 फीसद छात्र लंबाई माप लेंगे लेकिन शुरू आती प्वॉइंट बदल देने पर यह संख्या मात्र 39 फीसद रह जाती है।
ये आंकड़े 'एन्वल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट' (एएसईआर) के सर्वे में सामने आए हैं। सर्वेक्षण में लगभग 35 हजार किशोरों को शामिल किया गया। सर्वे 26 राज्यों के करीब 28 जिलों पर आधारित है। सरकारी और प्राइवेट, दोनों तरह के संस्थानों के छात्र इसमें शामिल किए गए। सर्वे का मुख्य फोकस ग्रामीण इलाकों के 14-18 साल की उम्र के किशोर थे। निःसंदेह एएसईआर सर्वे के आंकड़े शिक्षा की मौजूदा स्थिति की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। बड़ा सवाल यह नहीं है कि यह गिरावट हो रही है, बल्कि यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है। उत्तर बहुआयामी हैं, जिनमें पुराने पाठ्यक्रम से लेकर संसाधनों की कमी और कुछ मामलों में योग्य शिक्षकों की कमी जैसे कारक उत्तरदायी हैं। सर्वे में यह भी उल्लेख किया गया है कि ड्रॉपआउट्स यानी अधबीच पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या अब भी बहुत ज्यादा है। फोकस आयु वर्ग के लगभग 87 फीसद छात्रों ने स्कूल या कॉलेज में दाखिला लिया लेकिन 14 से 18 साल का होते-होते दाखिला लेने वालों का प्रतिशत भी गिरता गया। मसलन, ऐसे किशोर जिनका किसी भी स्कूल-कॉलेज में अभी दाखिला नहीं है, उनमें 14 साल के आयु वर्ग वालों की तादाद करीब 3.9 फीसद है। वहीं 16 के आयु वर्ग में यह संख्या बढ़कर 10.9 फीसद पर पहुंच गई। 18 साल वालों में यह गिनती 32 फीसदी से ज्यादा पाई गई।
नामांकन में इस गिरावट और स्कूल छोड़ने की बढ़ती दर के पीछे कारण बहुआयामी हैं। आर्थिक ,चुनौतियां, सामाजिक अपेक्षाएं और शिक्षा प्रणाली की अपर्याप्तताएं औपचारिक शिक्षा से किशोरों के मोहभंग में योगदान करती हैं। एएसईआर के निष्कर्ष किशोरों के बीच प्रचलित डिजिटल विभाजन को भी रेखांकित करते हैं। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 90 फीसद किशोरों की स्मार्टफोन तक पहुंच है। इसके उपयोग और डिजिटल साक्षरता में लिंग आधारित विसंगति मौजूद है। लड़कों की स्मार्टफोन तक अधिक पहुंच होती है, और वे अपनी महिला समकक्षों की तुलना में कंप्यूटर या स्मार्टफोन चलाने में अधिक दक्षता दिखाते हैं। यह डिजिटल लैंगिक अंतर व्यापक सामाजिक असमानताओं को दशार्ता है। डिजिटल जागरूकता एक दोधारी तलवार है जबकि स्मार्टफोन का प्रचलन सीखने के लिए संभावित अवसर प्रदान करता है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि लगभग 80 प्रतिशत किशोर अपने स्मार्टफोन का उपयोग मुख्य रूप से मनोरंजन उद्देश्यों के लिए करते हैं, जैसे संगीत सुनना, वीडियो और फिल्में देखना। शैक्षिक उद्देश्यों के लिए इस शक्तिशाली उपकरण का कम उपयोग पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म की क्षमता का उपयोग सीखने के अनुभव को बढ़ा सकता है, जिससे शिक्षा युवाओं के लिए आकर्षक और प्रासंगिक बन सकती है। शिक्षा, जिसे विकास की आधारशिला कहा जाता है, भारत में निर्णायक मोड़ पर है। हालांकि स्कूल में नामांकन बढ़ाने में प्रगति हुई है, लेकिन किशोरों के बीच स्कूल छोड़ने की चिंताजनक दर गंभीर चिंता पैदा करती है।
हम इन निष्कर्षों को अलग-अलग घटनाओं या व्यक्तिगत अपर्याप्तताओं का परिणाम कहकर खारिज नहीं कर सकते। इसकी बजाय हमें उन प्रणालीगत खामियों को स्वीकार करना चाहिए जिनके कारण ऐसी स्थिति सामने आई है। शिक्षा में निवेश का मतलब केवल धन आवंटित करना भर नहीं है। शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम डिजाइन और शैक्षिक बुनियादी ढांचे के समग्र पुनर्मूल्यांकन की भी आवश्यकता है। स्कूली शिक्षा के गिरते स्तर की जिम्मेदारी केवल शिक्षकों के कंधों पर नहीं है, यह सामूहिक दायित्व है। माता-पिता, नीति निमार्ताओं और बड़े पैमाने पर शिक्षित समुदाय को सुधारों की वकालत करने के लिए एकजुट होना चाहिए क्योंकि स्कूली शिक्षा का गिरता स्तर कठोर वास्तविकता है, जिस पर हमें ध्यान देने और ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। यह ऐसी चुनौती है, जिसका समाधान नहीं किया गया तो यह हमारे समाज की बुनियाद के लिए खतरा है क्योंकि समाज का भविष्य शिक्षित और कुशल नागरिक वर्ग पर निर्भर करता है। लिहाजा, हमें सामूहिक रूप से इस स्थिति की तात्कालिकता को स्वीकार करना चाहिए और मूल कारणों के समाधानपरक व्यापक सुधारों के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

आप दुनिया की बेस्ट मॉम हैं क्योंकि अपने बच्चे के साथ आप दोस्ताना व्यवहार करती हैं। माता-पिता बच्चे के दोस्त तो बन जाते हैं, पर इस रिश्ते की कुछ सीमाएं भी होती हैं। बच्चे की अच्छी परवरिश के लिए इन सीमाओं को अपनाना भी जरूरी है।

बच्चे से दोस्ती कितनी सच्ची?

मिष्ठी के लिए दोस्ती का मतलब है उसकी मां रितु। रितु से वो सबकुछ साझा करती है। सुबह स्कूल जाने से लेकर घर वापस आने तक की बातें तो बताएगी ही, साथ ही वह हर घटना पर अपनी राय, जैसे उसको क्या अहसास हुआ, किस बात पर गुस्सा आया, किस बात पर हंसी, सब अपनी मां से साझा करती है। मगर यह दोस्ती तब तक अच्छी है, जब तक वह अपनी उम्र के हिसाब से सोच रही है। क्योंकि उसको अपनी बातों पर मां की राय भी मिलती है इसलिए कहीं वो मां के हिसाब से तो दुनिया को नहीं देखने लगी? इसका खयाल मां रितु को ही रखना होगा। ध्यान देना होगा कि मिष्ठी से जब वह दिल की बातें करें तो अपनी और उसकी उम्र याद रखें।

बच्चे की गाइड– माता–पिता होने के नाते आपको ध्यान रखना होगा कि आपको बच्चे के लिए कोच, सपोर्टर, गाइड और एजुकेटर की भूमिका निभानी है। इसमें कोई कोताही न हो, तभी बच्चे की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाएं। आपको यह याद रखना होगा आपका यह दोस्त असल में आपका बच्चा है, जिसकी उम्र बहुत कम है।

बिगड़े ना रिश्ते का संतुलन– आज 15 साल की उम्र में रोहन की यह दोस्ती कुछ ऐसी हो गई है कि लोग रोहन को बदतमीज कहने लगे हैं। दरअसल जैसे पापा को रोहन की गलती पर उसे डांटना चाहिए, ठीक वैसे ही वह भी पापा को उनकी गलतियां याद दिलाने लगा है। बस, यहीं पर माता–पिता और बच्चों के बीच दोस्ती का मामला बिगड़ जाता है। जरूरत है कि बच्चे के दोस्त तो बनें, पर यह न भूलें कि सुझाव तो दोनों एक–दूसरे को दे सकते हैं। पर, राह सिर्फ आप बेटे को दिखा सकते हैं, बेटा आपको नहीं। बच्चे को आपके उम्र और अनुभव की कद्र करनी होगी।

कमजोरियां न ही बताएं– कोशिश कीजिए कि बच्चे को आप परफेक्ट लगें, ऐसे कि आप उसके लिए सब कुछ अच्छा करेंगे। इसके साथ जिंदगी में आप किन परेशानियों से जूझ रहे हैं, किससे मन–मुटाव है, जैसी बातें भी बच्चों से दूर ही रखिए।

हल बताएं नहीं, पूछें– हालांकि दोस्त का काम परेशानी में पूरा साथ देना और हल बताना होता है, पर आप हमेशा ऐसा न करें। मान लीजिए कोई उसका मजाक उड़ा रहा है। इससे उसके विकास में कमी आएगी। ऐसे में बच्चे से पूछें कि इस समस्या का समाधान क्या है। वो ऐसा नहीं कर पा रहा है तो भी आप बस हिंट दें। बच्चे की राय लें कि 'फलां तरह हल निकल सकता है या कोई और रास्ता सही रहेगा' फिर बच्चा जो राह चुने, उसे चुनने का उससे कारण जरूर पूछें।

कब पेरेंट्स का रोल निभाना है– आपको पता होना चाहिए कि कब आपको दोस्त का जामा उतारकर पेरेंट्स बनना है। अब उसकी परेशानी का समाधान आप ढूंढेंगी, क्योंकि यह बच्चे के बस की बात नही है। हो सकता है कोई उसका शोषण कर रहा हो या किसी भी दूसरी तरह से बेवजह बड़ी दिक्कत खड़ी कर रहा हो।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक – बच्चों और माता–पिता के बीच संवाद की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी कमी को पूरा करने के लिए माता–पिता को बच्चों के दोस्त बनने की सलाह दी जाती है। इससे एक–दूसरे के बीच समझ बनती है और बच्चे अपनी बात खुल कर कह पाते हैं। रिश्ते में नियमों की बात करें, तो रहन–सहन का परिवेश भी कई नियम बनाता है। जैसे नॉर्थ ईस्ट में लड़के–लड़की की दोस्ती बड़ी बात नहीं है। आप बच्चे को इसके लिए नहीं टोकेंगी, पर यही नियम देश के अन्य हिस्सों में बदल जाता है।'

बच्चे में लाएं अनुशासन – दोस्त बने पर हमकदम नहीं। कुछ काम उसे अकेले भी करने दें। बच्चों से घर के छोटे–मोटे काम जरूर करवाएं। अपने जीवन में आपने जो सीमाएं बनाई हैं, उनको बच्चों के साथ जरूर बांटिए। उनसे जीवन के कुछ नियमों को हर दिन के कामकाज में लागू करने को कहें। अगर आप बच्चे के साथ कुछ ज्यादा ही जुड़ गई हैं, तो आज ही से सकारात्मक तरीके से उसमें आवश्यक कमी लाना शुरू कर दें।

ताकि बने व्यक्तिगत पहचान – बच्चे के दोस्त तो बनिए, पर इस दोस्ती के चक्कर में उसकी व्यक्तिगत पहचान को न भूलिए। मतलब दोस्त तो बनें, पर हमेशा साथ रहने वाला दोस्त नहीं, ताकि बच्चे को भी खुद की पहचान का अहसास हो। कुछ जिम्मेदारियां वह खुद उठाए और अहसास करे कि हमेशा कोई साथ नहीं होगा। आगे चलकर ढेरों काम खुद करने होंगे। इससे उसमें निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ेगी।

क्या है ज्यादा जरूरी फैशन या सेहत?

फैशन भी बहुत अजीब है। खुद को खूबसूरत बनाने और अपने फैशन की धाक जमाने के लिए सेलेब्रिटी क्या–क्या नहीं करते? कहीं न कहीं वे इस बात को भूल जाते हैं कि फैशन का खामियाजा उनके शरीर को ही भुगतना पड़ता है। जब विक्टोरिया बेखम को प्रिंस विलियम और केट मिडलटन की शादी में हाई हील्स पहने हुए देखा गया तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि पूरी दुनिया हाई हील्स के प्रति उनके प्यार को बखूबी जानती है। लेकिन, सबकी आंखें उस वक्त ठिठक गईं, जब बेटी के जन्म के बाद उन्होंने बिना हील्स वाली फुटवियर पहननी शुरू कर दी। दरअसल, प्रेग्नेंसी में लंबे समय तक हाई हील्स पहनने की वजह से वो स्लिप डिस्क का शिकार हो गई थीं, जिसकी वजह से उन्हें हाई हील्स से तौबा करनी पड़ी। अब यहां सवाल यह उठता है कि स्लिप डिस्क होता क्या है और हाई हील्स का इससे क्या रिश्ता? हालांकि प्रेग्नेंसी में महिलाओं को कमर दर्द की शिकायत होना आम बात है क्योंकि गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान महिलाओं के शरीर में कई हार्मोनल व शारीरिक बदलाव होते हैं। प्रेग्नेंसी के आखिरी समय में तो शरीर का विकास इतना अधिक हो जाता है कि कई अंगों पर दबाव पड़ने लगते हैं।

ऐसी स्थिति में हाई हील्स पहनने से हमारे पैरों के अंगूठे से लेकर हिप्स, स्पाइन, कंधे आदि पर शरीर का अतिरिक्त भार आ जाता है, जिससे उनके बीच में संपर्क स्थापित करने वाली नसें भी बोझिल हो जाती हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक, खासकर प्रेग्नेंसी में अगर हाई हील्स पहनी जाए तो वे कमर व गर्दन पर बुरा असर करती हैं।

कितनी ऊंची पहनें हील्स

अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान कमर दर्द या उससे संबंधित किसी भी बीमारी से बचना चाहती हैं तो 1.5 इंच से ज्यादा ऊंची हील्स न पहनें। अगर आप की लंबाई कम है और आपको थोड़ा सा लंबा दिखना है तो कभी–कभार 3 इंच की हील्स पहन सकती हैं, लेकिन रोजाना इन्हें इस्तेमाल में न लाएं। प्रेग्नेंसी में केवल फ्लैट फुटवियर पहनना ही महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। यदि आपको रोजाना अधिक चलना पड़ता है तो हाई हील्स न ही पहनें। ज्यादा ऊंची हील्स आपके शरीर के बैलेंस को बिगाड़ सकती है। कई मामलों में यह स्लिप डिस्क का कारण भी बन सकता है।

स्लिप डिस्क की हो सकती हैं शिकार

स्लिप डिस्क को हर्नियेटिड डिस्क भी कहा जाता है। जब भी शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है या रीढ़ की हड्डी पर जोर पड़ता है जैसे गलत तरीके से उठना–बैठना, बार–बार झुकना, झुककर बैठना, व्यायाम न करना, प्रेग्नेंसी आदि की स्थिति में स्लिप डिस्क की आशंका और बढ़ जाती है। दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं का वजन खासकर पेट और कमर के हिस्से में दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी पर भी कभी–कभी गलत असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ने लगता है और इससे कमर के निचले हिस्से और गर्दन पर भी असर होता है। ऐसे में अगर लगातार हाई हील्स पहनी जाए, तो डिस्क पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है और इसकी शुरुआत अक्सर भयानक कमर दर्द से होती है। नसों में एक अजीब प्रकार का खिंचाव व झनझनाहट स्लिप डिस्क का एक बड़ा लक्षण है। यह झनझनाहट पूरी नस में दर्द उत्पन्न करती है जो कष्टदायक होता है। इसके अलावा प्रभावित जगह पर सूजन होना भी इस दर्द को और अधिक जटिल बना देता है।

इन बातों का ध्यान दें

प्रेग्नेंसी में हाई हील्स न पहनें, खासकर अंतिम महीनों में। उठने–बैठने के तरीके में परिवर्तन करें। बैठते वक्त सीधे तन कर बैठें। कमर झुकाकर या कूबड़ा निकालकर न बैठें और न ही चलें। यदि बैठे–बैठे ही अलमारी की रैक से कुछ उठाना है तो ध्यान रहे कि पेट पर सारा दबाव न पड़े। अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं। नरम या गुदगुदे से बिस्तर पर न सोएं बल्कि सपाट पलंग या तख्त पर सोएं। ताकि पीठ की मांसपेशियों को पूरा विश्राम मिले। तनाव की स्थितियों से बचें। चिंता दूर करने के लिए टहलें। ध्यान करें और खुश रहें।

प्रेग्नेंसी के दौरान फैशनेबल दिखने के चक्कर में कई बार महिलाएं अपनी सेहत को भी अनदेखा कर जाती हैं। पर, यह अनदेखी कभी-कभार प्रेग्नेंसी के दौरान और कभी बच्चे के जन्म के बाद सेहत पर भारी पड़ जाती है। गर्भावस्था में हाई हील्स से दूर रहने की सलाह क्यों दी जाती है

बच्चे को हो जाएगा अपने खाने से प्यार

जब तक बच्चा सिर्फ दूध पर निर्भर है, तब तक तो कोई परेशानी नहीं। पर जैसे ही वह छह माह का हुआ, उसे ठोस आहार देने की शुरुआत हो जाती है। पर ठोस आहार देने की शुरुआत के साथ संभव है कि बच्चे को पाचन संबंधी कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़े। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के शुरुआती आहार का चुनाव सोच-समझकर करें।

बच्चे को ठोस आहार देना धीमे–धीमे बढ़ने वाली प्रक्रिया है। खुराक कैलोरी व प्रोटीन से भरपूर होनी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप ऐसे खाद्य पदार्थ चुनें, जिनसे बच्चे की जरूरतें पूरी हो सकें। शुरुआत में आप अपने शिशु को कोमल कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थ दे सकती हैं, जैसे कि सूजी की खीर, घी वाली खिचड़ी, दलिया, कुचला हुआ केला आदि। आपके शिशु के लिए इस उम्र में आयरन बेहद अहम है। जो शिशु मां के गर्भ में वक्त पूरा करके जन्म लेते हैं उनके शरीर में आयरन का भंडार छह महीनों तक रहता है। उसके बाद उसके शरीर से आयरन का भंडार कम होने लगता है और उसे अपनी खुराक में आयरन चाहिए होता है। इस लिहाज से आयरन युक्त खाद्य को खास महत्व देना चाहिए। कुचली हुई सब्जियों से शुरुआत करें और फिर धीरे–धीरे उसे अन्य चीजें खिलाएं। दालें, फलियां, अंकुरित दालें, ब्रोकली व बंदगोभी आयरन का अच्छा स्त्रोत हैं। इस बात को भी ध्यान में रखें कि बच्चे को जब पहले–पहल ठोस खाद्य पदार्थ दिया जाता है तो कुछ दिनों तक उसे कब्ज, अपच, पेट दर्द या इस तरह की अन्य परेशानियां हो सकती हैं। इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे के खाने की शुरुआत सेमी–लिक्विड फूड से करें, साथ तरल पदार्थ और पानी ज्यादा दें। परेशानियों को दूर भगाने में हमदर्द की जन्म घुट्टी और हमदर्द बेबी केयर रेंज के अन्य प्रोडक्ट भी आपकी मदद कर सकते हैं।

बच्चा को कब दें ठोस आहार

बच्चे को ठोस आहार की शुरुआत छह माह से कर देनी चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चे को ठोस आहार तब ही देना शुरू करें, जब बच्चे का सिर स्थिर हो जाए।बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह ठोस आहार को कुछ देर मुंह में रखने के बाद उसे निगलना सीखने लगे। अमूमन शुरुआत में बच्चा खाने को चीभ से बाहर ठेलना ही जानता है। खाने को निगलने की प्रक्रिया को वह धीरे–धीरे सीखता है। बच्चे को ठोस आहार देने की शुरुआत तभी करें, जब वह सहारा लेकर बैठना शुरू कर दे।

क्या है पोषक तत्वों की भूमिका

आयरन, बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के अलावा हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए जरूरी है। हीमोग्लोबिन कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है। कैल्शियम व फॉस्फोरस हड्डियों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। बच्चे को प्रचुर मात्रा में कैल्शियम देने की सलाह दी जाती है ताकि बाद में फ्रैक्चर आदि की आशंका कम हो। विटामिन ए, विटामिन ई, आपके बच्चे की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। प्रोटीन बच्चे की समग्र वृद्धि और विकास में केन्द्रीय भूमिका निभाता है और यह शरीर के ऊतकों के निर्माण व मरम्मत के लिए जरूरी है। अगर ऊर्जा की जरूरत पूरी न हो तो हो सकता है कि शरीर प्रोटीन को ऊर्जा के लिए प्रयोग करे और इससे बच्चे के विकास और वृद्धि पर विपरीत असर पडेगा।

खाना खजाना

शाकाहारी मुगलई कोफ्ते

सामग्री – 200 ग्राम आलू, 150 ग्राम गाजर, 250 ग्राम टमाटर, 200 ग्राम फूलगोभी, दो छोटे चम्मच बेसन, 2 स्लाइस ब्रैड, आधा छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच मिर्च, आधा छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, आधा छोटा चम्मच घी

ग्रेवी के लिए – हरी मिर्च, अदरक का 1 टुकड़ा, खसखस के 2 चम्मच, टमाटर 4 बड़े, काजू 50 ग्राम, किशमिश 50 ग्राम, पनीर 100 ग्राम, गर्म मसाला 1 चम्मच, पानी 3 कप, नमक, मिर्च एवं धनिया अंदाजे से।

विधि – मटर के दाने निकाल कर उसमें आलू, गाजर, गोभी के छोटे–छोटे टुकड़े मिला लें। पानी डालकर कूकर में तब तक पकाएं जब तक सब्जियां गल न जाएं। फिर पानी निकाल कर रख लें। उबली हुई सब्जियों में सूखा भुना बेसन, ब्रैड और मसाले डाल कर मैश कर लें । थोड़ा सा घी हाथ पर लगा कर छोटे–छोटे रोल बनाएं तथा बाद में गर्म घी में तल कर रख दें।

ग्रेवी बनाने की विधि – प्याज बारीक पीस लें। खसखस, अदरक व हरी मिर्च एक साथ पीस लें। तेल गर्म करके प्याज लाल होने तक भूनें, बाद में खसखस का बनाया पेस्ट डाल कर थोड़ा और भूनें। अब टमाटर का पेस्ट डाल कर घी छोडने तक पकाएं। फिर 3 कप पानी डालें और काजू–किशमिश डालें तथा अच्छी तरह उबाल लें। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकने दें। तले हुए कोफ्ते बोल में सजा कर, उसके ऊपर गर्मा–गर्म ग्रेवी डालें तथा कसा पनीर, धनिया और गर्म मसाला छिड़क कर परोसें।

स्वादिष्ट पाव भाजी

सामग्री – एक आलू उबला एवं मैश किया हुआ, आधा कप हरे मटर, आधा कप शिमला मिर्च, एक फ्रैंचबीन, एक लौकी, 100 ग्राम टमाटर कद्दूकस किया हुआ, आधा कप अदरक–लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच प्याज बारीक कटा, 2 चम्मच हल्दी पाऊडर, आधा चम्मच पावभाजी मसाला, 2 चम्मच टोमैटो सॉस, एक चम्मच बारीक कुतरा हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, छ–पाव

बनाने की विधि – शिमला मिर्च के बीज निकाल लें। फ्रैंचबीन के दोनों सिरे काट कर बीच में दो टुकड़े करें। लौकी छील कर मोटे टुकडों में काट लें। सभी सब्जियों को हैन्ड चॉपर में डालें और बारीक कर लें। एक प्रैशरपैन में प्याज भूनें और फिर पानी का छींटा मार कर अदरक–लहसुन भूनें। इसमें कद्दूकस किया टमाटर डाल कर दो मिनट चलाएं। सभी सब्जियां, पाव भाजी मसाला, नमक एवं हल्दी डालें। साथ ही एक कप पानी डाल कर एक सीटी आने तक पकाएं। प्रैशरपैन ठंडा होने पर डाल कर भाजी गाढ़ी होने तक पकाएं। इसमें टोमैटो कैचअप भी डाल दें। हरे धनिए से सजाएं और पाव के साथ सर्व करें। पाव को बीच से काटें और ऐसे ही तवे पर गर्म कर लें।

दावते कड़ाही पनीर

सामग्री – 250 ग्राम पनीर, 2 शिमला मिर्च, 2–3 टमाटर, 2 प्याज मोटे कटे हुए, 2 हरी मिर्च, 6–7 कलियां लहसुन, 1 इंच लंबा टुकड़ा अदरक, 2 टेबलस्पून तेल या घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, थोड़ी–सी लाल मिर्च, एक–चौथाई छोटा चम्मच गर्म मसाला, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटा हुआ

बनाने की विधि – शिमला मिर्च के बीज निकाल कर उसे बारीक काट लें। अदरक, हरी मिर्च एवं लहसुन को मिक्सी में पीस लें। कड़ाही में तेल डाल कर गर्म करें तथा उसमें जीरा डाल कर भूनें, फिर उसमें हरी मिर्च, प्याज, अदरक, लाल मिर्च, धनिया और गर्म मसाला डाल कर तब तक भूनें जब तक मसाला तेल न छोड़ दे। मसाले में टमाटर डालें और नर्म होने तक पकाएं, उसके बाद शिमला मिर्च डाल कर 2–3 टेबलस्पून पानी और नमक स्वादानुसार डालें और ढक कर 4–5 मिनट के लिए पकाएं। जब शिमला मिर्च नर्म हो जाए तब पनीर को क्यूब के शेप में काटें और उसे भी कड़ाही में डाल दें। सब्जी को 2–3 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें, कड़ाही पनीर बन कर तैयार है। हरा धनिया कड़ाही पनीर पर डालें और चपाती या नान के साथ परोसें।

चटपटे मूंगफली के दही–वड़े

सामग्री – 250 ग्राम मूंगफली, 2 चम्मच हरी मिर्च कटी हुई, 3 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, आवश्यकतानुसार ऑलिव ऑयल, एक–चौथाई फ्रूट सॉल्ट, 2 कप पानी, 1 चम्मच शूगर फ्री, 4 चम्मच दही

गार्निशिंग के लिए – इमली की चटनी, हरी चटनी, जीरा और काली मिर्च पाऊडर, अदरक, भुनी मूंगफली

बनाने की विधि – सबसे पहले मूंगफली को हरी मिर्च और आवश्यकतानुसार पानी के साथ ग्राइंड कर लें। अब इसे बाऊल में निकाल कर उसमें बेसन, नमक, फ्रूट साल्ट मिलाएं। भीगे कपड़े पर इस मिक्सचर के छोटे–छोटे बॉल बना कर डालें और हल्के हाथों से दबाएं। अब इन्हें मध्यम आंच पर डीप फ्राई करें। बाऊल में गर्म पानी डाल कर उसमें वड़े को भिगोएं और हाथों से दबा कर अतिरिक्त पानी निकाल लें। अब चीनी मिला दही इन वड़ों के ऊपर डालें। इसे चटनी, जीरा, काली मिर्च पाऊडर, अदरक और भुनी मूंगफली से गार्निशिंग करके सर्व करें।

घर पर ही कर सकते हैं ऐसे व्यायाम

व्यायाम खासतौर पर उन अंगों के लिए बेहद असरदार हैं जो या तो बढ़ती उम्र के कारण दुर्बल होने लगते हैं या फिर शरीर का भार बढ़ने के कारण फैलने लगते हैं जैसे– पेट, जांघ, बाजुओं का पिछला हिस्सा व कमर आदि। इन व्यायामों के जरिए निश्चय ही बेहतरीन परिणाम आपको मिलेंगे।

टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम

वार्म होने के बाद सबसे पहले टखनों व पिंडलियों के लिए व्यायाम करना चाहिए। इसके लिए एक कुरसी के किनारे बैठ जाएं। घुटने एक साथ जोड़ लें, पैरों के बीच की दूरी डेढ़ फीट हो। ध्यान रहे पंजे अंदर की ओर इशारा करते हुए हों। अब पंजों को जितना ऊपर उठा सकती हैं उठाएं, फिर नीचे लाएं। इसे 16 बार दोहराएं। अब पैरों को बाहर की ओर मोड़ते हुए घुटने मिलाकर पैरों में फासला रखते हुए एक बार फिर 16 बार उठाएं। अंत में एडियों को जमीन पर जमाते हुए दोनों पैरों को जमीन के साथ रगड़ते हुए अंदर की ओर लाएं। अब पांवों को स्वीप करते हुए बाहर की ओर लाएं और दोबारा उठाएं। इसे 16 बार दोहराएं।

सपाट पेट व कमर को सही आकार देने के लिए व्यायाम

पीठ के बल लेट जाएं व हाथों को सिर के पीछे ले जाएं। टांगें मोड़ते हुए पैरों के तलवों से जमीन पर दबाव डालें जिससे कि दोनों टांगों के बीच कुछ फासला आ जाए। अब बायीं कुहनी को ऊपर की ओर उठाएं व दाएं घुटने की तरफ झुकें फिर वापिस जाएं। इसे 12 बार दोहराएं।

अब दाएं पांव को जमीन से दो इंच ऊपर की ओर उठाएं और बायीं कुहनी को दाएं घुटने की तरफ सामने 16 बार लाएं। अब इन व्यायामों को दूसरी तरफ से दोहराएं। पीठ के बल लेट जाएं। दोनों टांगों को ऊपर की ओर उठाते हुए घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़ लें। टखनों को क्रास कर लें तथा घुटनों के बीच करीब आधा इंच का फासला रखें। अब धीरे–धीरे शरीर के निचले हिस्से को जितना ऊपर उठा सकती हैं, उठाने का प्रयास करें। सर्वोत्तम परिणाम के लिए पेट को व्यायाम के दौरान अंदर ही रखें।

जांघों की मजबूती के लिए व्यायाम

इसके लिए सबसे पहले बायीं तरफ करवट लेकर लेट जाएं, शरीर के ऊपरी हिस्से को कुहनी पर टिकाते हुए। अब दायीं टांग को इस तरह मोड़ें जिससे कि घुटना ऊपर की तरफ इशारा करता हुआ हो। अब दाएं पांव को हल्के मुड़े घुटने के पीछे ले आएं पेट अंदर की तरफ रखते हुए। ध्यान रहे कि बायां पांव छत की तरफ इशारा करता हुआ हो। बायीं टांग को काफी ऊंचा उठाएं। इसे 24 बार दोहराएं। अब दूसरी तरफ से इसे करें।

ऊपरी बाजू के लिए व्यायाम

ऊपरी बाजू में वही पहले जैसा खिंचाव व सही शेप देने के लिए व्यायाम बहुत ही कारगर सिद्ध हो सकता है। कुरसी के किनारे बैठ जाएं व दोनों हाथों से कुरसी के किनारे थाम लें। कुरसी पर बैठे–बैठे ही आगे की तरफ बढ़ें जब तक कि आप कुरसी से नीचे न आ जाएं। अब धीरे–धीरे शरीर के ऊपरी भाग को ऊपर व नीचे ले जाएं, बाजुओं को मोड़ते व सीधा करते हुए। इसे 12 बार दोहराएं।

खोखले दावे करते स्लिमिंग सेंटर आज हरी गली-कूचे में खुलते ही जा रहे हैं और लोग यहां आकर अपना समय व पैसा दोनों बरबाद कर रहे हैं। लोग इन सेंटरों में इस आशा के साथ आते हैं कि एक दिन वह भी आकर्षक नजर आएंगे। यहां हम आपको अपने को फिट व चुस्त रखने के कुछ व्यायाम बता रहे हैं जिन्हें आप घर में ही आजमा कर आकर्षक दिखने का अपना सपना बिना इन सेंटरों में धन और समय गंवाए ही पूरा कर सकते हैं।

भारत के निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था बनने में ईवी की ओर रुख अहम: सिंह

नई दिल्ली । उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का विकास और उन्हें अपनाना भारत के निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सचिव ने कहा कि 2047 के लिए व्यापक दृष्टिकोण में कर प्रोत्साहन, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के अनिवार्य प्रावधान द्वारा समर्थित विभिन्न खंडों में इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर एक बड़ा बदलाव शामिल है। उन्होंने कहा कि सड़क से रेल तक माल ढुलाई के मॉडल शेयर में बदलाव माल परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए एक प्रभावी कदम होगा। अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी देना सतत विकास के प्रति देश के समर्पण को रेखांकित करता है। सिंह ने कहा कि उन्होंने दावोस में हाल ही में संपन्न विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भविष्य के औद्योगिक परिवेश के वित्तपोषण पर एक सत्र में इन बातों पर चर्चा की थी। सरकार ने 18,100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई योजनाएं और मोटर वाहन, मोटर वाहन उपकरण तथा ड्रोन उद्योगों के लिए 26,058 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना शुरू की हैं।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर शेयर बाजार बंद

मुंबई । राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पर 22 जनवरी सोमवार को शेयर बाजार बंद हैं। दोनों प्रमुख घरेलू शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने इस बारे में पिछले सप्ताह शुक्रवार की देर शाम को सूचित कर दिया था। कमॉडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स में सुबह के 9 बजे से शाम के 5 बजे तक कारोबार नहीं होगा। उसके बाद शाम के 5 बजे से इवनिंग सेशन का कारोबार होगा। यह सप्ताह छुट्टियों से काफी प्रभावित हो रहा है। पिछले सप्ताह जहां 6 दिन बाजार में कारोबार हुआ था, इस सप्ताह सिर्फ 3 दिन ही कारोबार होने वाला है। सप्ताह के पहले दिन आज बाजार बंद है। सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को 26 जनवरी की छुट्टी है। ऐसे में बाजार में सिर्फ मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ही कारोबार होगा।

रिलायंस ने राम भक्तों के लिए विशेष सेवाएं शुरू की

अयोध्या । राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल ने राम भक्तों तथा तीर्थयात्रियों के लिए कई विशेष सेवाएं शुरू की हैं। सूत्रों ने बताया कि समूह की दूरसंचार शाखा जियो ने अयोध्या में अपने ट्रू4जी और स्टैंडअलोन 5जी नेटवर्क को अपग्रे किया है। उन्नत व निर्बाध नेटवर्क के लिए शहर भर में अतिरिक्त टावर स्थापित किए हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दूरदर्शन के सहयोग से जियो टीवी, जियो टीवी प्लस और जियो न्यूज पर सीधा प्रसारण करेगा। रिलायंस रिटेल पूरे अयोध्या में महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष रूप से स्थापित कियोस्क किए हैं जिससे आगंतुक, तीर्थयात्री और अन्य यात्री पानी पी सकते हैं। मुख्य मार्ग पर भित्तिचित्र लगाए गए हैं। अयोध्या में स्मार्ट बाज़ार तथा स्मार्ट पॉइंट स्टोर्स में आने वाले सभी आगंतुकों को दीये बांटे जाएंगे। श्रद्धालुओं को शहर में दुकानों के बाहर स्थापित कियोस्क पर चाय परोसी जाएगी।

बीते सत्र में शेयर बाजार में कारोबार 30 फीसदी कम हुआ

मुंबई ।

बीते कारोबारी दिन शनिवार को शेयर बाजार कारोबार में 30 फीसदी से ज्यादा की कमी दर्ज हुई क्योंकि एक्सचेंजों ने पूरे सत्र को निचोड़ने की कोशिश की ताकि सोमवार को घोषित विशेष छुट्टी की भरपाई हो सके। एनएसई व बीएसई पर नकदी में संयुक्त कारोबार 84,574 करोड़ रुपये रहा, जो इस महीने दर्ज 1.17 लाख करोड़ रुपये के औसत रोजाना कारोबार से 28 फीसदी कम है। इस बीच इक्विटी डेरिवेटिव का वॉल्यूम 303 लाख करोड़ रुपये रहा जबकि महीने का औसत 456 लाख करोड़ रुपये रहा है। बाजार के प्रतिभागियों ने कहा कि संस्थागत निवेशकों की तरफ से सुस्त भागीदारी का गतिविधियों पर असर पड़ा और कई शेयरों के कारोबार में सुस्ती दिखी। कारोबार और भी कम होता अगर एसएंडपी बीएसई बैंकेक्स डेरिवेटिव की साप्ताहिक एक्सपायरी शनिवार से सोमवार न की गई होती। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में काफी तेजी आने के बावजूद देसी बाजारों पर विस्तारित छुट्टी, कम वॉल्यूम और साप्ताहिक ऑप्शन एक्सपायरी का असर पड़ा।

शनिवार को 714 अंकों की घटबढ़ के बाद सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 71,424 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 51 अंक गिरकर 21,572 पर बंद हुआ।

बजट के दिन महंगे हो जाएंगे टाटा के वाहन

मुंबई। नए साल 2024 की शुरुआत से ही भारत की वाहन निर्माता कंपनियों ने कारों की कीमतों में इजाफा कर दिया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, होंडा, हुंडई, टोयोटा आदि कंपनियों ने अपने अपने मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। इसी क्रम में देश की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने भी अपनी कारों के मॉडलों समेत सवारियों वाहनों की कीमतों में वृद्धि करने का ऐलान किया है। टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि वह 1 फरवरी 2024 से अपने पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में औसतन 0.7 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी. घरेलू ऑटोमोबाइल का कहना है कि भारत में सभी टाटा कारों की कीमतें बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। कंपनी का कहना है कि वाहन निर्माण लागत में वृद्धि को देखते हुए ग्राहकों को कीमतों में आंशिक बढ़ोतरी करके थोड़ा सा बोझ दिया जा रहा है। हालांकि वाहन निर्माता ने यह खुलासा नहीं किया है कि कीमत में बढ़ोतरी के बाद उसकी कारों की संशोधित कीमत क्या होगी। यह भारत में किसी भी वाहन निर्माता द्वारा अपने यात्री वाहनों की कीमत बढ़ाने का ताजा कदम है।

एयरटेल ने अयोध्या में नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाई

अयोध्या ।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों के बीच दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी एयरटेल ने अयोध्या के प्रमुख ऐतिहासिक क्षेत्र और शहर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाई है। एयरटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने अयोध्या के हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, प्रमुख ऐतिहासिक क्षेत्रों, होटलों और शहर के अन्य सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने नेटवर्क को बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने पूरे शहर को निर्बाध बातचीत और डेटा सेवाओं से कवर करने के लिए अतिरिक्त नेटवर्क साइट चालू की हैं, सेल ऑन व्हील्स लगाए हैं और ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाई हैं। मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए कुछ अतिरिक्त साइट्स और बीटीएस भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने शहर में उच्च गति वाले इंटरनेट वाले क्षेत्रों के लिए फाइबर भी बिछाया गया है, जिससे आगंतुकों ग्राहकों को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने बताया कि एयरटेल ने इसके अलावा अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट, एयरपोर्ट, कटरा रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, रामप्रस्थ पार्क, राम भद्र, ब्रह्मकुंड, गुप्तार घाट, परिक्रमा मार्ग, राजमार्ग पर सेल ऑन व्हील्स तैनात किया है। इससे पहले दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया ने भी अयोध्या शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने की घोषणा की थी।

कंपनियों के मुनाफे में आई सुस्ती, वृद्धि की रफ्तार पिछली 14 तिमाहियों में सबसे कम

कंपनियों की बिक्री साल भर पहले के मुकाबले केवल 9.4 फीसदी अधिक रही

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के अभी तक आए कारोबारी पे रिणामों से लगता है कि कंपनियों के मुनाफे में इजाफे की रफ्तार मंद पड़ रही है। उनकी आय में इजाफा तो और भी सुस्त रफ्तार से हो रहा है। अभी तक जिन कंपनियों के नतीजे आए हैं, उनमें से 215 का कुल मुनाफा 2022-23 की तीसरी तिमाही के मुकाबले 12.5 फीसदी बढ़ा है, जो 14 तिमाहियों में सबसे धीमी रफ्तार रही। इन कंपनियों की शुद्ध बिक्री साल भर पहले के मुकाबले केवल 9.4 फीसदी अधिक रही, जो दिसंबर, 2020 तिमाही के बाद सबसे खराब प्रदर्शन रहा। उस तिमाही में शुद्ध बिक्री 3.5 फीसदी घटी थी। पिछले साल जुलाई में एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी का विलय हुआ था और आंकड़े उसी के हिसाब से दुरुस्त किए गए हैं। शुरुआत में ही नतीजों की घोषणा करने वाली इन कंपनियों में से अगर बैंक, वित्त, बीमा और शेयर ब्रोकिंग कंपनियों को निकाल दिया जाए तो बची हुई कंपनियों ने और भी बदतर प्रदर्शन किया और अक्टूबर-दिसंबर 2023 में उनका मुनाफा साल भर पहले की अपेक्षा 7.8 फीसदी ही बढ़ा। इस तिमाही में उनकी आय में भी केवल 4.5 फीसदी इजाफा हुआ 2020-21 की तीसरी तिमाही के बाद से गैर बीएफएसआई कंपनियों के राजस्व में यह सबसे धीमी बढ़ोतरी है। अभी तक नतीजे घोषित करने वाली जिन कंपनियों को अपने नमूने में लिए गए हैं उनका मुनाफा तीसरी तिमाही में 1.02 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि साल भर पहले मुनाफा 91,000 करोड़ रुपये ही था।

चालू वित्त वर्ष की ही दूसरी तिमाही में उनका मुनाफा 99,484 करोड़ रुपये था। बीएफएसआई को निकालने के बाद बचीं 157 कंपनियों की कुल आय अक्टूबर-दिसंबर, 2022 के 53,175 करोड़ रुपये से बढ़कर 57,342 करोड़ रुपये हो गई। इसी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में इनका आंकड़ा 55,175 करोड़ रुपये था। शुरुआती नतीजों वाली कंपनियों के नमूने में आईटी सेवा क्षेत्र के नाम सबसे ज्यादा हैं। उनके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज है, जिसकी कच्चे तेल की रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन, दूरसंचार तथा रिटेल में गहरी पैठ है। तीसरी तिमाही में इन कंपनियों के मुनाफे में 40 फीसदी हिस्सेदारी बैंकों की है। उनका मुनाफा साल भर पहले की तुलना में 16.9 फीसदी बढ़ा है, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में दिखी 25.2 फीसदी वृद्धि से बहुत कम है। सभी बीएफएसआई कंपनियों का मुनाफा अक्टूबर-दिसंबर, 2022 के मुकाबले 18.9 फीसदी अधिक था, मगर जुलाई-सितंबर, 2023 में हुई 26.1 वृद्धि से कम रहा।

भारत की आजीविका स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, काम करने की उम्र के 950 मिलियन व्यक्ति वर्कफोर्स में नहीं हैं

सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक वैश्विक अगुवा के रुप में एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज ने बीते दिनों ली मेरिडियन, नई दिल्ली में आयोजित लाइवलीहुड समिट में %आजीविका संवर्धन के लिए उभरता एजेंडा% शीर्षक से भारत की वार्षिक आजीविका स्थिति (SOIL) रिपोर्ट जारी की। इसका संपादन विकास अन्वेष फाउंडेशन के निदेशक डॉ. संजीव फणसलकर ने किया; यह रिपोर्ट काम करने की उम्र के 950 मिलियन लोगों के कम रोजगार वाली स्थिति पर प्रकाश डालती है। यह विभिन्न चुनौतियों को भी बताती है, जो इस समस्यास को और बढ़ाते हैं, इनमें अंधाधुंध औद्योगीकरण, जलवायु परिवर्तन और संक्षिप्त कृषि परिवर्तन शामिल हैं। लाइवलीहुड इंडिया, एक राष्ट्रीय समिट है जो लगभग 500 हितधारकों को आकर्षित करता है, इसका मकसद गरीबों को पेश आने वाली चुनौतियों का समाधान करना एवं उन पर चर्चा करना और समुदाय के सतत विकास की योजनाओं पर आम सहमति बनाना है। एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के सीईओ, विपिन शर्मा ने कहा, "समिट के 14वें संस्करण के साथ हम खुद को जी20 की अध्यक्षता के लिए भारत के "समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख" दृष्टिकोण के अनुरूप बना रहे हैं।" इन ठोस विचार-विमर्शों में समावेशी और लचीला विकास; एसडीजी पर प्रगति, हरित विकास; तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रांस्ट्रऔक्सर; और महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास जैसे व्यापक प्राथमिकता वाले क्षेत्र शामिल किए गए थे। हमारा फोकस महिला विकास से हटकर महिला नेतृत्व वाले विकास पर केंद्रित हो गया है। प्रयासों का फोकस वित्तीय समावेशन से लेकर वित्तीय स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल से लेकर आवास, शिक्षा से उद्यमिता तक, 'नारी शक्ति' को भारत की विकास यात्रा में सबसे आगे रखने पर केंद्रित हैं।"

भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोआर्डीनेटर शोम्बी शार्प ने कार्यक्रम में कहा, "हमें याद रखना चाहिए कि भारत में महिलाओं की आबादी कुल आबादी का आधी है और उनके लिए आजीविका महत्वपूर्ण है। किसी सीमित मानसिकता में लैंगिक समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है बल्कि यह हम सभी के लिए एक मुद्दा है और पुरुषों और किशोरों को लैंगिक समानता के लिए बहादुर और साहसी महिलाओं एवं लड़कियों के नेतृत्व में इनके साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम करना चाहिए। तो इसके परिणाम अचरज में डालने वाले हो सकते हैं! एक अनुमान के अनुसार, लैंगिक समानता से वैश्विक स्तर पर 770 अरब डॉलर प्राप्त हो सकते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि लैंगिक समानता, महिला नेतृत्व वाले विकास के ये मुद्दे बहुत व्यावहारिक रूप से रहस्यपूर्ण हैं। ये संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सहयोग फ्रेमवर्क के मूल में हमारे सभी सपनों को पूरा करने के माध्यपम हैं, हमारी साझेदारी की पेशकश, 23 से 27 तक पांच वर्षों के लिए भारत सरकार के साथ है।"

सोनी का जी एंटरटेनमेंट के साथ विलय समझौता समाप्त

नई दिल्ली । सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एसपीएनआई ने एक नोटिस जारी कर एसपीएनआई और जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) द्वारा जेडईईएल के एसपीएनआई में विलय से संबंधित निश्चित समझौतों को समाप्त कर दिया है, जिसकी घोषणा 22 दिसंबर 2021 को गई थी। समझौते के तहत विलय 21 दिसंबर 2023 से पहले पूरा किया जाना था। इसमें लेनदेन को पूरा करने के लिए एक महीने के अतिरिक्त समय के साथ नियामक से तथा अन्य अनुमति हासिल करना शामिल था। इस समझौते से देश में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का मीडिया उद्यम बन खड़ा होने की उम्मीद थी। कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट को पहले सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के नाम से जाना जाता था।

अंतरिम बजट में होगा 5.3 फीसदी नुकसान का लक्ष्य!

वित्त वर्ष 2025 के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी के 5.3 प्रतिशत के बराबर रखा जा सकता है

नई दिल्ली ।

अर्थशास्त्रियों और अनुमान लगाने वाली एजेंसियों के कई अनुमानों के विश्लेषण से पता चलता है कि आगामी अंतरिम बजट में वित्त वर्ष 2025 के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी के 5.3 प्रतिशत के बराबर रखा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ अर्थशास्त्रियों का पूंजीगत व्यय में कमी आने का अनुमान है, जो कोविड के बाद के दो वित्तीय वर्षों में बहुत ज्यादा रहा है। अनुमान लगाने वाली एजेंसियों के 10 शोध रिपोर्टों का विश्लेषण किया गया गया है। इनमें से 8 ने अनुमान लगाया है कि राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 5.3 प्रतिशत रहेगा, जबकि दो एजेंसियों ने 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आम चुनावों को देखते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लेखानुदान या अंतरिम बजट पेश करेंगी, जिससे अगली सरकार द्वारा पूर्ण बजट पेश किए जाने के पहले शुरुआती व्यय किया जा सके। गोल्डमैन सैक्स ने एक बयान में कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 5.2 से 5.4 प्रतिशत के बीच रखेगी। वित्त वर्ष 26 तक मध्यावधि के हिसाब से राजकोषीय समेकन का लक्ष्य 4.5 प्रतिशत करने के सरकार के लक्ष्य को

देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 24 में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 5.9 प्रतिशत रखा गया है।

बजट में अनुमानित नॉमिनल जीडीपी वृद्धि की तुलना में इसके कम रहने, विनिवेश से कम आमदनी और सब्सिडी के ज्यादा बोझ के कारण ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह लक्ष्य अधिक गैर कर राजस्व व प्रमुख मंत्रालयों के बचत से पूरा किया जाएगा। इसी तरह का विचार पेश करते हुए बार्कलेज का कहना है कि ज्यादा कर व गैर कर राजस्व संग्रह से विनिवेश राजस्व से आई कमी की भरपाई हो जाएगी और उम्मीद है कि केंद्र सरकार चालू वित्त वर्ष में आसानी से जीडीपी के 5.8 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य प्राप्त कर लेगी।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बदलीं

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी देखी जा रही है। क्रूड के भाव 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गए हैं। वैश्विक बाजार में सोमवार सुबह कच्चे तेल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ले्यूटीआई के भाव भी 73.57 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहे थे। इस बीच सोमवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव दिख रहा है। सोमवार को यूपी के कई शहरों में तेल के भाव बढ़ गए हैं तो बिहार में भी पेट्रोल 108 रुपये लीटर के पार चला गया है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गाजियाबाद में पेट्रोल 34 पैसे बढ़कर 96.92 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 33 पैसे महंगा होकर 90.08 रुपये लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में कीमतें नीचे आईं और पेट्रोल 14 पैसे सस्ता होकर 96.43 रुपये लीटर तो डीजल 13 पैसे टूटकर 89.63 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 32 पैसे चढ़कर 108.12 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 30 पैसे की बढ़त के साथ 94.86 रुपये लीटर बिक रहा है। दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपये और डीजल 89.63 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपये और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

दो कंपनियों ने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

सीआई गेम्स, बिहेवियर इंटरएक्टिव पर छंटनी की मार

सैन फ्रांसिस्को ।

यहां वीडियो गेम बनाने वाली दो कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। बाजार की मुश्किल परिस्थितियों के चलते इन दोनों कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पोलैंड स्थित सीआई गेम्स ने पूरी कंपनी में अपने लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारियों को निकाल दिया है, जबकि कनाडा स्थित बिहेवियर इंटरएक्टिव ने अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग तीन प्रतिशत की कटौती की है। सीआई गेम्स, जो स्नाइपर के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है, घोस्ट वॉरियर और लॉर्ड्स ऑफ द फॉलन सीरीज ने मार्केटिंग टीम से अधिकांश स्टाफ को कम कर दिया है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉर्ड्स ऑफ द फॉलन डेवलपर हेक्सवर्क्स और स्नाइपर घोस्ट वॉरियर स्टूडियो अंडरडॉग भी प्रभावित हुए हैं। सीआई गेम्स के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, बिजनेस की ताकत और स्थिरता को बनाए रखने के लिए, सीआई गेम्स ने ये कठिन लेकिन आवश्यक निर्णय लिया है, जिससे कंपनी के लगभग 10 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित होंगे।

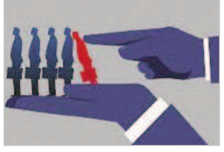

दूसरी ओर, बिहेवियर इंटरएक्टिव ने पुष्टि की, कि छंटनी ने केवल उनके मॉन्ट्रियल कर्मचारियों को प्रभावित किया। बिहेवियर इंटरएक्टिव के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हाल ही में, बाजार की बदलती परिस्थितियों के कारण कई व्यवहार परियोजनाओं के दायरे को समायोजित करना आवश्यक हो गया है। इसमें कहा गया है, इन स्थितियों में, हमारी प्राथमिकता हमेशा प्रतिभा को अन्य प्रोजेक्ट में पुनः नियुक्त करने की होती है। दुर्भाग्य से, यह विकल्प हमारे लिए हमेशा उपलब्ध नहीं होता है।

ये प्रस्थान हमारे कुल कार्यबल के 3 प्रतिशत से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। बिहेवियर इंटरएक्टिव को मल्टीप्लेयर हॉरर गेम डेड बाय डेलाइट के लिए जाना जाता है।

पिछले हफ्ते, गियरबॉक्स के स्वामित्व वाले गेम डेवलपमेंट स्टूडियो लॉस्ट बॉयज इंटरएक्टिव ने कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग कार्यरत थे।

सैमसंग लांच करेगी नया डिजिटल हेल्थ केयर डिवाइस

सैन जोस ।

साल 2024 में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स एक नया डिजिटल हेल्थ केयर डिवाइस, गैलेक्सी रिंग लॉन्च करने जा रही है। यह जानकारी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट के बाद, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल डिवीजन के प्रमुख रोह ताए-मून ने कंपनी के रिंग-शेप्ड वाले हेल्थ डिवाइस के रिलीज प्लान को पत्रकारों के साथ साझा की। रोह ने कहा, गैलेक्सी वॉच के अपने फायदे हैं, लेकिन कुछ कंज्यूमर्स को हर समय वॉच पहनने में असहजता महसूस होती है। यही कारण है कि गैलेक्सी वॉच सैमसंग हेल्थ को आवश्यक जानकारी भेजने और 24/7, पूरे सप्ताह और साल के 365 दिन इसका विश्लेषण करने के लिए अपर्याप्त है। इसलिए हमें डिजिटल हेल्थ सिस्टम या सैमसंग हेल्थ को पूरा करने के लिए रिंग के फॉर्म फैक्टर की आवश्यकता है। गैलेक्सी वॉच सैमसंग की स्मार्टवॉच है, जो हेल्थ और फिटनेस फीचर्स के साथ-साथ स्मार्टफोन के लिए रिमोट कंट्रोल के रूप में भी काम करती है।

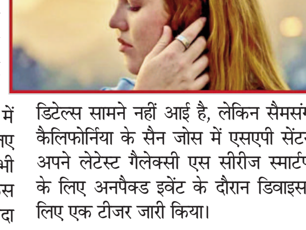

रोह ने कहा कि गैलेक्सी वॉच की तुलना में गैलेक्सी रिंग लंबे समय तक पहनने के लिए अधिक उपयुक्त है और इसकी बैटरी लाइफ भी बेहतर है। यह केवल हेल्थ फीचर्स पर फोकस करती है। नई स्मार्ट रिंग के बारे में अभी ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई है, लेकिन सैमसंग ने कैलिफोर्निया के सैन जोस में एसएपी सेंटर में अपने लेटेस्ट गैलेक्सी एस सीरीज स्मार्टफोन के लिए अनपैक्ड इवेंट के दौरान डिवाइस के लिए एक टीजर जारी किया।

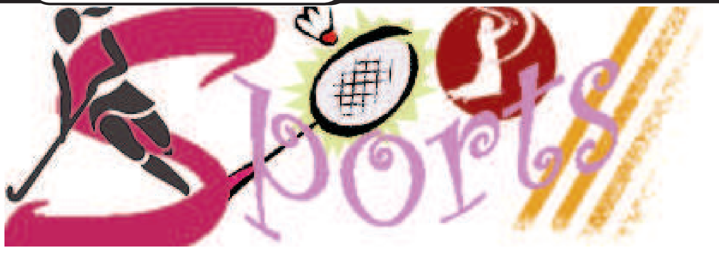

न्यूजीलैंड के स्नेहित ने शुभमन के अंदाज में मनाया जश्न

जोहान्सबर्ग । न्यूजीलैंड के क्रिकेटर स्नेहित रेड्डी ने अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप में शतक के बाद जमकर जश्न मनाया। इस दौरान उनका अंदाज भारत के शुभमन गिल जैसा था। इस जश्न का वीडियो आईसीसी ने भी साझा किया है। विश्वकप में न्यूजीलैंड का मुकाबला नेपाल की अंडर-19 टीम से हुआ था। इसमें कीवी टीम ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्नेहित के शतक से 8 विकेट पर 302 रन बनाये। स्नेहित ने 125 गेंद पर 147 रन की पारी खेली। कप्तान ऑस्कर जैकसन 75 ने भी बेहतर बल्लेबाजी की। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 157 रन की साझेदारी की। स्नेहित ने अपनी पारी में 11 चौके और 6 छक्के लगाये। इस दौरान उन्होंने शुभमन के अंदाज में सामने की ओर झुकते हुए दर्शकों का अभिवादन किया। न्यूजीलैंड ने स्नेहित की इस पारी से नेपाल को 64 रन से हराया था। वहीं नेपाल की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 238 रन ही बना पायी। स्नेहित ने अपने जश्न को लेकर कहा कि शुभमन गिल मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं और उनके खेलने का अंदाज शानदार है।

अपनी मां से तलवारबाजी के लिए प्रोत्साहित होने पर मणिपुर के जेनिथ ने एपी में रजत पदक जीता

चेन्नई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में तमिलनाडु के एन. अंबलेस गोविन के खिलाफ एपी फाइनल के तुरंत बाद मणिपुर के फेंसर जेनिथ एस.एच का फोन बजने लगा। यह उनकी मां रोमोला देवी थीं, जो पता लगाने के लिए फोन कर रही थीं कि रविवार को उनके मैच में क्या हुआ।इंफाल ईस्ट के रहने वाले जेनिथ ने तलवारबाजी में जो कुछ भी हासिल किया है उसका श्रेय अपनी मां को देते हैं। उसने जेनिथ को अपने घर के पास की अकादमी में इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने का फैसला किया। तलवारबाजी एक महंगा खेल है और जेनिथ के पिता एसएच अर्लेक्स, जो पड़ोस में किराने की दुकान चलाते हैं, को उनके प्रशिक्षण का समर्थन करने के लिए परिवार के संसाधनों से निवेश करना पड़ा, जब तक कि युवा खिलाड़ी ने राष्ट्रीय सर्किट पर अपनी छाप नहीं छोड़ी और उन्हें गुवाहाटी परिसर में प्रशिक्षण के लिए चुना गया। जेनिथ ने कहा, जिनकी एक छोटी बहन भी है, ÷जब मैंने पास की अकादमी में पढ़ाई शुरू की, तो मेरे माता-पिता को पोशाक, जूते और हथियार का खर्च वहन करना पड़ा। गुवाहाटी आने के बाद, भले ही हथियार साई से जारी किए जाते हैं, मेरे माता-पिता हर संभव तरीके से मेरा समर्थन कर रहे हैं। ऐसे भी दिन थे जब मुझे लगा कि संघर्ष हो रहा है लेकिन मेरे माता-पिता ने सुनिश्चित किया कि वे मुझे उस दबाव को महसूस नहीं होने देंगे। हालाँकि गुवाहाटी जाना आसान नहीं था। जेनिथ को घर की याद आने लगी और वह घर लौटना चाहता था। हालाँकि, उनकी माँ ने उन्हें यहीं रहने और अपने कौशल पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ÷शुरुआत में इसका मुझ पर थोड़ा असर हुआ, लेकिन फिर मेरी मां ने मुझे समझाया और गुवाहाटी मेरे घर से ज्यादा दूर भी नहीं है।एसएआई गुवाहाटी में शामिल होने के कुछ महीने बाद, जेनिथ ने सब-जूनियर नेशनल में स्वर्ण पदक जीता और एक साल बाद कैडेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। वह भोपाल में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पिछले संस्करण में मणिपुर टीम का भी हिस्सा थे, जो क्वार्टर फाइनल में हार गई थी। लेकिन उन्होंने दिसंबर 2023 में गुजरात के मेहसाणा में 18वीं कैडेट नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण जीतकर शानदार वापसी की। इस उपलब्धि से तरोताजा होकर, जेनिथ आत्मविश्वास से भरे हुए चेन्नई आए और जाहिर तौर पर खुश थे कि वह खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इस संस्करण में मणिपुर के लिए पदक का खाता खोल सके। जेनिथ अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स में एपी टीम इवेंट में हिस्सा लेंगे और उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक पर है।

विराट इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे

मुम्बई ।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी से होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। विराट का बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि वह मध्यक्रम में टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार विराट निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने कहा कि प्रशंसकों को विराट के इस निर्णय का सम्मान करना चाहिये। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट सीरीज होनी है। ऐसे में विराट का इसमें खेलना भारतीय टीम की बल्लेबाज को मजबूती देता। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी कहा है कि इंग्लैंड के गेंदबाजों की आक्रामक रणनीति का जवाब विराट के पास है और वह इससे भारतीय टीम को बेहतर स्थिति में ला सकते हैं। वहीं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन और पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने कहा था कि विराट के अहम को नुकसान पहुंचने से उनकी टीम को लाभ हो सकता है। इससे वह अति आक्रामक होकर विकेट खो सकते हैं। अब जबकि विराट पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे तो मेहमान टीम के गेंदबाजों के पास दबाव बनाने का अच्छा अवसर है। विराट इंग्लैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 28 टेस्ट मैच में 42.36 के औसत और 5 शतकों की सहायता से 1991 रन बनाये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ विराट से ज्यादा रन केवल सचिन तेंदुलकर 2535 रन और सुनील गावस्कर 2483 रन हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी

मेलबर्न।

भारतीय अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने वेस्ले कूलहोफ और निकोला मेक्टिक की 14वीं वरीयता प्राप्त डच-क्रोएशियाई जोड़ी को 7-6 (10-8), 7-6 (7-4) से हराकर अंतिम आठ चरण में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद बोपन्ना ने पुरुष युगल में विश्व नंबर 2 रैंकिंग सुनिश्चित की और क्वार्टर में जीत उन्हें रैंकिंग शिखर पर ले जाएगी। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी अब छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना की जोड़ी मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी से भिड़ने को तैयार है। 43 वर्षीय बोपन्ना ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में जीवित एकमात्र भारतीय चुनौती बने हुए हैं।

इंग्लैंड सीरीज के जरिए जायसवाल टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करेंगे : गावस्कर

नई दिल्लीः

इंग्लैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि यह युवा खिलाड़ी इंग्लैंड श्रृंखला के अंत तक भारतीय टेस्ट टीम में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।भारत और इंग्लैंड 25 जनवरी से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले मैच के लिए आमने-सामने होंगे। भारत का लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रभावशाली घरेलू रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना है, जिसने 2016/17 सीरीज में 4-0 से और 2020/21 में 3-1 और जीत हासिल की थी।गावस्कर ने बाएं हाथ के बल्लेबाज की घरेलू परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता का हवाला देते हुए जायसवाल के प्रदर्शन के बारे में अपनी बात रखी। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे लगता है कि इस सीरीज के बाद वह खुद को भारतीय टेस्ट टीम में पूरी तरह से स्थापित कर लेंगे। साथ ही जायसवाल घरेलू परिस्थितियों में आसानी से जम जाएंगे। 74 वर्षीय ने श्रेयस अय्यर का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई कि यह बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ चमकेंगे। भारत के लिए 12 टेस्ट मैचों में 39.27 की औसत से 707 रन बनाने वाले अय्यर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया संघर्ष ने चिंता बढ़ा दी है।गावस्कर ने विश्व कप के दौरान भारतीय पिचों पर अय्यर के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए टेस्ट सीरीज में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

गावस्कर ने कहा, विश्व कप में श्रेयस अय्यर ने भारतीय पिचों पर शानदार बल्लेबाजी की, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह टेस्ट श्रृंखला में भी नंबर 5 पर इसी तरह खेलेंगे। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की। शुरुआत में काफी सतर्क थे और फिर बाद में उन्होंने स्ट्रोक लगाए। मुझे उम्मीद है कि वह इसे दोहराएंगे।

संक्षिप्त समाचार

हैरी के बाहर होने से इंग्लैंड की उम्मीदें कम हुईं : पीटरसन

लंदन । भारत के खिलाफ सीरीज से पहले ही मेहमान टीम इंग्लैंड को करारा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने निजी कारणों से इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि हैरी की कमी टीम को खलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। .पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, मैं उम्मीद करता हूं कि हैरी और उसके परिवार के साथ सबकुछ ठीक होगा। दूसरी बात ये है कि हैरी के बाहर होने के बाद इंग्लैंड की उम्मीदें थोड़ी कम हो गई है क्योंकि हैरी आक्रामक तरीके से खेलते हैं। हैरी ने इंग्लैंड की ओर से अब तक 12 टेस्ट मैचों की 20 पारियों में 62 के औसत से कुल 1181 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट करीब 91 का रहा है और इस दौरान उन्होंने 4 शतक लगाये हैं। हैरी के बाहर होने पर डेन लॉरेंस को टीम में अवसर दिया गया है। लॉरेंस 2021 में टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा करने वाली टीम में शामिल थे। उन्होंने चार में से दो टेस्ट खेले थे। चौथा टेस्ट उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जहां पहली पारी में उन्होंने 46 और दूसरी पारी में 50 रन बनाये थे।

भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी :आथर्टन

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल आथर्टन ने कहा है 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। आथर्टन ने कहा, मुझे लगता है कि भारत यह सीरीज जीत जीएगा क्योंकि मेजबान टीम के स्पिनर हमसे बेहतर हैं। साथ ही कहा कि अगर आप भारत खेलने जाते हैं तो स्पिन की अहम भूमिका होती है। पहले भी हमने ऐसा भारत के मैदानों में देखा है। इसके अलावा भारतीय टीम के पास एक अच्छा गेंदबाजी आक्रमण भी है। इस पूर्व कप्तान ने साथ ही कहा, भारत के पास दो बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल हमारे स्पिनरों से बेहतर हैं। इसके अलावा उनके पास कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और आर अश्विन भी हैं। सभी जानते हैं कि अश्विन एक अनुभवी स्पिनर हैं। दूसरी ओर इंग्लैंड के पास जैक लीच के रूप में केवल एक अनुभवी बाएं हाथ का स्पिनर है। इसके अलावा रेहान अहमद, टॉम हार्टले और शोएब बशीर भी हैं पर इनके पास ज्यादा अनुभव नहीं है। भारत और इंग्लैंड के बीच जनवरी से मार्च के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। इसका पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में , दूसरा 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में, तीसरा 15 फरवरी से राजकोट में , चौथा 23 फरवरी से रांची में और पांचवा 7 मार्च से धर्मशाला के मैदान पर खेला जाएगा।

सीए ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम, मैक्सवेल और कमिंस को आराम

युवा खिलाड़ी फ्रेजर और बार्टलेट शामिल

सिडनी ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 फरवरी से 6 फरवरी तक होने वाली सीरीज के लिए अपनी 13 सदस्यीय एकदिवसीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज के लिए ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया है जबकि युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और अनकैप्ड स्पीडस्टर जेवियर बार्टलेट को भी इस सीरीज में अवसर दिया गया है। वहीं झाय रिचर्डसन चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क , ऑलराउंडर मिशेल मार्श और जोश हेजलवुड को भी इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। युवा खिलाड़ी फ्रेजर-मैकगर्क ने ऑस्ट्रेलिया में इस सत्र की शुरुआत में ही मार्श कप में तेजी से शतक लगाकर विश्व-रिकॉर्ड बनाया था। अभी वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में फ्रेजर-मैकगर्क मेलबर्न रेनेगेड्स की ओर से खेल रहे हैं। सीए का कहना है कि मैक्सवेल को वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 से पहले कार्यभार प्रबंधन की नीति के तहत आराम दिया है। वहीं डेविड वार्नर के संन्यास के बाद अब मैट शॉर्ट को ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। इसके अलावा लांस मॉरिस भी इस सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखेंगे।

वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क , ऑलराउंडर मिशेल मार्श और जोश हेजलवुड को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। टीम में कमिंस के नहीं होने पर स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम की कप्तानी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की ये एकदिवसीय सीरीज ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में 2 फरवरी से शुरू होकर 6 फरवरी तक चलेगी। स्टीवन स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लांस मॉरिस, मैट शॉर्ट, एडम जम्पा।

अंडर19 विश्व कप क्रिकेट में श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने अपने शुरुआती मुकाबले जीते

जोहान्सबर्ग । श्रीलंका और न्यूजीलैंड ने भी दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे अंडर19 विशे व कप में अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिए हैं। श्रीलंका को जहां जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा। वहीं न्यूजीलैंड की टीम आसानी से जीत गयी। न्यूजीलैंड ने नेपाल के खिलाफ 64 रनों से आसान जीत हासिल की। वहीं एक अन्य मुकाबले में श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को 39 रन से हराया। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर दिनुरा कालूपहाना के अर्धशतक से वह 200 के ऊपर पहुंच गयी। श्रीलंका को अच्छी गेंदबाजी के आधार पर जिम्बाब्वे पर जीत मिली। वहीं स्नेहिथ रेड्डी के शतक से न्यूजीलैंड अंडर19 टीम ने 300 से अधिक रन बना लिये। इस प्रकार ये उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली टीम बन गयी।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में जिम्बाब्वे के कप्तान मैथ्यू शॉनकेन ने टॉस गेंदबाजी शुरु की। उसके तेज गेंदबाजों कोहल एक्स्टीन और अनेसु कामुरिवो के सामने श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पहले पांच ओवरों में श्रीलंका के तीन विकेट गिर गये। श्रीलंका के कप्तान सिनेथ जयवर्धने की पारी की जीत में अहम भूमिका रही। इसके बाद रवीशन डी सिल्वा और रुसांडा गमागे ने अच्छे प्रयास किये। दिनुरा कलपुहाना और शारुजन शनमुगनाथन ने पारी को बढ़ाया कलपुहाना ने दो छक्कों सहित आठ चौके लगाकर 60 रन बनाये। इससे श्रीलंका को वापसी करने में मदद मिली। श्रीलंका की टीम 204 रन पर आउट हो गई। इसके बाद 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 166 रनों पर ही सिमट गयी। न्यूजीलैंड ने नेपाल को 64 रनों से हराया।

भारत के खिलाफ सबसे अधिक शतक लगाने वालों में शोएब मलिक दूसरे नंबर पर

लाहौर। भारत के खिलाफ सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक भी हैं। वैसे भारत के खिलाफ सबसे अधिक एकदिवसीय शतक लगाने का रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम है। जयसूर्या ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 7 एकदिवसीय शतक लगाये हैं। पाक बल्लेबाजों में भारत के खिलाफ सबसे अधिक एकदिवसीय पांच शतक सलमान बट ने लगाये हैं। वहीं शोएब के नाम 4 शतक हैं। मलिक ने भारत के खिलाफ 11 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनका भारत के खिलाफ 42 से ज्यादा का औसत है। पाकिस्तान की ओर से किसी एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज सईद अनवर हैं। अनवर ने श्रीलंका के खिलाफ 7 एकदिवसीय शतक लगाए हैं। वहीं सलमान बट ने भारत के खिलाफ पांच शतक जबकि बाबर आजम ने पांच शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाये हैं।

सात्विकसाईराज और चिराग इंडिया ओपन फाइनल में हारे, कोरियाई जोड़ी बनी विजेता

नई दिल्ली ।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को इंडिया ओपन बैडमिंटन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ के हाथों महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय जोड़ी पहला गेम जीतने के बाद अपनी लय बरकरार न रख पाने के कारण हारी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को खिताबी मुकाबले में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हरा दिया। इसी के साथ ही इस जोड़ी ने दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीता है। इस मुकाबले में भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला हुआ। सात्विक ने शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले। सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बनाये रखते हुए स्कोर 18-13 पहुंचाया। चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम अंक भी हासिल किए। सात्विक-चिराग ने पहला गेम 18 मिनट में 21-15 से जीता। वहीं दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक हासिल कर स्कोर 4-6 तक पहुंचाया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद कुछ गलत शॉट लगाये जिससे कोरियाई जोड़ी का 11-5 की अच्छी बढ़त मिल गयी। इसके बाद कोरियाई जोड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 16-5 किया और फिर आसानी से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी सात्विक और चिराग ने लगातार सहज गलतियां की जिससे कैंग और सियो ने 6-3 की बढ़त बनाई। सात्विक और चिराग ने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जबकि विरोधी जोड़ी को नेट से पीछे भी नहीं धकेल पाए। कोरियाई जोड़ी ब्रेक तक 11-6 से आगे रही। भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए स्कोर 10-12 किया पर कोरिया की जोड़ी लगातार अंक हासिल कर बढ़त बरकरार रखने में सफल रही और उसने मुकाबला जीता लिया।

गावस्कर बोले, विराट के सामने नहीं चलेगी इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति काम नहीं करेगी। गावस्कर के अनुसार इस सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति का सामना करने के लिए भारत के पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की रणनीति को नाकाम करने की पूरी क्षमता विराट में है। गावस्कर ने कहा, 'विराट आजकल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति का सामना करने के लिए हमारे पास विराट जैसा बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि कोहली 152 रन और बनाते ही टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ जाएंगे। वह आगामी सीरीज में भारत के ट्रंपकार्ड होंगें। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, 'हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक करीब करीब बराबर ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में बदलने की गति काफी अच्छी है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल से टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक रणनीति का जो नया तरीका अपनाया है उसमें बल्लेबाज तेजी से रन बनाने का प्रयास करते हैं। ये रणनीति भारत में इसलिए कारगर नहीं होगी क्योंकि हमारे पास कई अच्छे स्पिनर हैं।

राम मंदिर महोत्सव : उत्साह में राममय हुआ नवागाम-जकातनाका

सुरत भुमि, सूरत। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बने राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर सूरत शहर के नवागांव डिंडोली जकातनाका पर इस अद्वितीय घड़ी को धूमधाम से मनाया गया। शहर के विभिन्न जगहों ने इस महत्वपूर्ण घड़ी को बड़े उत्साह और आनंद के साथ स्वागत किया।

मुख्य कार्यक्रम:

पूजा अर्चना एवं आरती: नवागांव डिंडोली जकातनाका में भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना और आरती हुई, जिसमें लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीता पाटील एवं स्थानीय पार्षद एवं स्थानीय भक्तगण भाग लिए।

शोभायात्रा: डिंडोली नुक्कड़वाली चाय से शोभायात्रा निकाली गई, जिनमें रामलीला के चरित्रों की संवादनाएं और रथयात्राएं शामिल थीं।

सामाजिक समारोह: नवागांव डिंडोली जकातनाका में सामाजिक समारोह आयोजित किए गए, जिनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां थीं।

इस अद्वितीय उत्सव में सूरत के नवागांव डिंडोली जकातनाका की कई महिला समूहों ने भी उत्साह से भाग लिया और सामाजिक समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर सामाजिक अग्रणी मनोज शुक्ला, रमाशंकर तिवारी, गुल्जारीलाल उपाध्याय, राजु श्रीवास्तव, शंकर दूबे, उमेश तिवारी, संजय तिवारी, सुरज तिवारी, नवनीत पाण्डेय, अंकित पाण्डेय, साहिल तिवारी, नीरज पाण्डेय, सिध्दार्थ तिवारी, शुभम त्रिपाठी, आशिष उपाध्याय, सनी झा, विनायक पाण्डेय, अप्पु सिंह, शिवम (के.डी.), तथा अन्य लोगो ने इस शानदार क्षण को खासी धूमधाम से मनाया। इस प्राणप्रतिष्ठा समारोह पर सूरत को एक भव्य और धार्मिक उत्सव के रूप में समृद्धि दिलाई है।

हिन्दू महामहोत्सव चेरीटेबव ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में उत्सव मनाया गया

सुरत भुमि, सूरत। शहर के प्रसिद्ध मंदिर अंबिका निकेतन के निकट सूर्य पुत्री मां ताप्ती नदी के तट पर 22 जनवरी को अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर जनमंगल कल्याण सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट तथा हिन्दू महामहोत्सव चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा बड़े धूमधाम से किर्तन भजन व सुंदरकांड पाठ के साथ भव्य आरती किया गया। इस महोत्सव में एक खास बात देखी गई, कि उत्तर प्रदेश तथा गुजरात की जनता ने हजारों की संख्या में एकत्रित होकर सूर्य पुत्री मां ताप्ती की आरती के साथ साथ भगवान राम की मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को दिवाली की तरह भव्य रूप से मनाया गया। इस कार्यक्रम को देखकर ऐसा एहसास हो रहा था की जैसे हर भारत वासी को 500 साल बाद भगवान राम की वापसी हुई हैं इस उपलक्ष में लोगों ने हर्षोल्लास के साथ खुशीयां मनाया और प्रसाद वितरण किया।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर हुए अनेकों कार्यक्रम

सुरत भुमि, सूरत। वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर अनेकों कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामप्रकाश रुंगटा एवं सचिव विनोद कानोडिया ने बताया कि इस मौक़े पर मंदिर प्रांगण का रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। आयोजन के अन्तर्गत रविवार को अखण्ड रामायण के पाठ का आयोजन किया गया, जिसका समापन सोमवार को सुबह हुआ। इस मौक़े पर मंदिर प्रांगण में भगवान श्री राम का दरबार सजाया गया एवं भगवान श्रीराम की विशाल रंगोली बनाई गई। सोमवार को दोपहर साढ़े बारह बजे से एक हज़ार भगवा गुब्बारे हवा में छोड़े गए एवं सभी भक्तों को बधाई एवं लड्डू प्रसाद का वितरण किया गया। शाम को पाँच बजे से राम दरबार, सिंदूरी हनुमान की झांकी एवं नृत्य नाटिका की प्रस्तुति हुई। इसके बाद सैंकड़ो भक्तों द्वारा महाआरती की गई। शाम सात बजे से मंदिर प्रांगण पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया एवं पूरे मंदिर प्रांगण को दीयों से सजाया गया। इस मौक़े पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संदीप बेरीवाला, संतोष माखरिया सहित अनेकों कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहें। आयोजन में भक्तों की भीड़ देर रात तक लगी रहीं।

'जय श्री राम' के जय घोष से राममय हुआ सूरत का नया सिविल अस्पताल

सूरत। भगवान राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पवित्र दिन पर पूरा सूरत शहर राममय हो गया, साथ ही सूरत के न्यू सिविल अस्पताल में श्री राम के जय घोष के साथ राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का भव्य उत्सव मनाया गया। जिसमें सेनेटरी इंस्पेक्टर पूजाबेन ने पूरे सिविल अस्पताल को भगवान राम की तस्वीरों सहित विशेष रंगोली और झंडों से सजाया। साथ ही नर्सिंग एसोसिएशन के इकबाल कड़ीवाला के निर्देशन में समस्त नर्सिंग स्टाफ ने एकत्रित होकर भक्ति गीतों की धुन पर रैली निकाली और महाआरती की और पूरे सिविल परिसर में मिठाइयाँ बाँटीं। साथ ही भगवान राम के अयोध्या लौटने के ऐतिहासिक पल का जश्न मनाने के लिए हर सिविल वार्ड में दीपक जलाए गए और आरती की गई.

इस अवसर पर आर.एम.ओ. डॉ. केतन नायक, ई. चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धरित्री परमार, टीबी विभाग की प्रमुख एवं सीनेट सदस्य डॉ. पारुल वडगामा, डॉ. लक्ष्मण तेहलानी, नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला, नर्सिंग अधीक्षक. सार्वंतिनी गौडे और वासंती नायर, नर्सिंग एसोसिएट. पूर्व सचिव किरणभाई डोमडिया, सहित बड़ी संख्या में अस्पताल कर्मचारी शामिल थे।

श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट ने निकाली शोभायात्रा, एक शाम अयोध्या के रामलला के नाम कार्यक्रम हुआ

सुरत भुमि, सूरत। अयोध्याधाम में नवनिर्मित मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 22 जनवरी को श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट सूरत द्वारा भव्य शोभायात्रा के साथ स्टेज कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

22 जनवरी को शाम 4 बजे श्री मेंहदीपुर बालाजी मंदिर न्यू सिटी लाइट रोड से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो वेसू की विभिन्न सोसायटियो होते हुए रामलीला मैदान वेसू के पास रात्रि 7 बजे पहुंची।

शोभायात्रा में बाइक रैली,बग्गी, बैंडबाजा झूमर छतरी, महाबली हनुमान जी वानरो के साथ डीजे कि धुन पर रामगुण गान पर नृत्य करते हुए ,कमल पर रामलला, राममंदिर का मॉडल ,झांकियां,राम दरबार साथ में महिलाओं द्वारा राम संकीर्तन के साथ स्थान स्थान पर आरती स्वागत सोसायटी द्वारा किया गया ।

वहीं शाम को वर्षा सोनी मशहूर भजन गायिका एवम आगरा के इंद्रेश ठाकुर द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई । प्रभु श्री राम के जीवन की महत्वपूर्ण फोटो प्रदर्शनी , राममंदिर के लिए संघर्ष की लघु फिल्म,सेल्फी पॉइंट,प्रभु की 1100 दीपो के साथ महाआरती, भजन हुए। भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई थी ।

महाप्रसाद, रामायण मंचन आदि का हुआ आयोजन, 800 से अधिक बच्चों के साथ मनाया उत्सव

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में भव्य आयोजन सिटी-लाइट स्थित एसएमसी नगर प्राथमिक शाला नंबर 160 एवं 337 के बच्चों के साथ किया गया। इस मौक़े पर अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम, रामायण का मंचन आदि का आयोजन किया गया। आयोजन में आठ सौ बच्चों एवं क़रीबन चार सौ अभिवावकों को प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण एलईडी के माध्यम से दिखाया गया। ट्रस्ट द्वारा सभी को महाप्रसाद परोसा गया एवं बच्चों को भगवान श्रीराम की जीवनी बताई गई। आयोजन में अग्रवाल विकास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव राजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सहकोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन, महिला शाखा अध्यक्ष शालिनी कानोडिया, युवा शाखा अध्यक्ष निकिता अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

साइकिल प्योर ने स्थानीय शिल्प कौशल का सम्मान करने के लिए 111 फीट की अगरबत्ती का अनावरण किया

मैसूर। भारत के सबसे बड़े अगरबत्ती निर्माता, साइकिल प्योर अगरबत्ती ने, स्थानीय शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा को श्रद्धांजलि के रूप में, 111 फीट की विशाल अगरबत्ती का अनावरण करके आसमान में चमक का स्पर्श जोड़ा। यह विस्मयकारी कार्यक्रम तीन सांस्कृतिक रूप से जीवंत स्थानों - मैसूरु, महाराष्ट्र और गोवा में एक साथ आयोजित हुआ, जो विविध कारीगर विरासत का समर्थन करने और जश्न मनाने की हार्दिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की मां सुश्री सरस्वती ने सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों श्री प्रताप सिम्हा, सांसद, मैसूर कोडागु और श्री टी.एस. श्रीवत्स, विधायक, कृष्णराज की उपस्थिति में अगरबत्ती प्रज्वलित की। श्री गुरु, श्री किरण रंगा, श्री विष्णु रंगा, श्री अनिरुद्ध रंगा और श्री निखिल रंगा सहित रंगा परिवार ने हमारी विरासत और पारंपरिक कला के संरक्षण के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए इस अवसर की शोभा बढ़ाई। महाराष्ट्र में माननीय मुख्यमंत्री श्री. एकनाथ संभाजी शिंदे ने राज्य की समृद्ध शिल्प कौशल का जश्न मनाया, जबकि गोवा में, माननीय मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने क्षेत्र की अद्वितीय कलात्मक अभिव्यक्तियों के संरक्षण और प्रचार पर जोर दिया।

साइकिल प्योर अगरबत्ती की 111 फीट लंबी उत्कृष्ट कृति आधुनिक तकनीक का एक प्रमाण है जो पारंपरिक कला के रूप में मिलती है, यह मैसूर के कारीगरों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए एक गहरी श्रद्धांजलि है। इस विशाल अगरबत्ती को 18 कुशल व्यक्तियों की एक समर्पित टीम के साथ 23 दिनों में तैयार किया गया था, जिसमें विशेष रूप से हाथ से चुनी गई शुभ दशांगा शहद, कोनेरी गेड्डे, घी, चंदन की लकड़ी का पाउडर, गुगुला, अगरू, संब्रानी, देवदारू, लोबन और चारकोल, जिगाट और गुड़ के साथ सफेद सरसों (बिली सेसिव) जैसी सामग्रियों का उपयोग किया गया था। विनिर्माण प्रक्रिया में एनआरआरएस विशेषज्ञों की टीम द्वारा तैयार की गई एक अनूठी तकनीक शामिल है।

अपना आभार व्यक्त करते हुए, सुश्री सरस्वती ने कहा, "हमारे परिवार की पीढ़ियाँ कला के लिए समर्पित रही हैं, और साइकिल प्योर अगरबत्ती को हमारे काम का समर्थन करने और स्वीकार करने में सक्रिय भूमिका निभाते हुए देखना वास्तव में खुशी की बात है। यह मान्यता एक साधारण सम्मान से परे है जो इसका प्रतीक है एक गहरी प्रतिबद्धता जो न केवल हमारे परिवार के लिए बल्कि पूरे कलात्मक समुदाय के लिए बहुत मूल्यवान है। यह समर्थन मैसूरु में कलाकारों के लिए विशेष रूप से सार्थक है, जहां हमारे सांस्कृतिक योगदान पनपते हैं, जो इसे व्यापक रचनात्मक परिदृश्य की ओर एक अमूल्य संकेत बनाता है।"

सुरत भुमि, सुरत। सूरत उधना विजया नगर स्थित उजलेश्वर महादेव मंदिर द्वारा दि.21.01.2024 रविवार के दीन अयोध्या से लाये अक्षय कलश यात्रा और श्री राम ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया था। मंदिर के जीतु महाराज ने बताया कि अयोध्या से लाये अक्षय कलश यात्रा और श्री राम ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया था। जिसमे मंदिर के स्वयं सेवक ओर बड़ी मात्रा में भाविक भक्तों ने यात्रा में जुड़े थे।

क्लाइमेटराइज एलायंस, बज़ वुमेन और आईआईएम बैंगलोर भारत के जलवायु संचलन में बदलाव का अगुवा बनने की ग्रामीण महिला उद्यमियों की यात्रा के बारे में बताने के लिए एक साथ आए

बज़ वूमेन ने आईआईएम बैंगलोर और क्लाइमेटराइज एलायंस के सहयोग से आईआईएम बेंगलुरु में "बदलाव के बीज: भारत के जलवायु एजेंडा में ग्रामीण उद्यमिता और महिला लीडरशिप को प्रेरित करना" का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण महिला उद्यमियों की आवाज़ को उजागर करना और उन तरीकों पर विचार-विमर्श करना था, जिनसे विकास परिदृश्य में विभिन्न हितधारक महिलाओं को लीडरशिप की भूमिकाओं में सक्षम बनाना, उद्यमिता को बढ़ावा देना, और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना होता है।

कार्यक्रम वाले दिन जलवायु एक्शन और आर्थिक लचीलेपन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को केन्द्र में रखकर गहन पैनल चर्चाएं हुई और प्रेरणादायक वक्ताओं ने इन पर अपने विचार रखें। विविध पृष्ठभूमि के प्रमुख पैनलिस्टों और वक्ताओं में प्रगति अभियान से अश्विनी कुलकर्णी, बिंदी इंटरनेशनल की पूर्व सीईओ ग्लोरिया जोनाथन, मान देशी फाउंडेशन से अनघा कामत, इंडस्ट्री फाउंडेशन से सुसान भक्तुल, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) से मेघा जौहर और रेनमैटर फाउंडेशन से राजीव प्रकाश शामिल थे। चर्चा की अगुवाई आईआईएम बैंगलोर की प्रोफेसर पद्मिनी श्रीनिवासन और एनएसआरसीईएल के आनंद श्री गणेश ने किया। पैनलिस्टों ने अपने अनुभव और विचार साझा किए कि कैसे महिलाएं सही प्रकार की सक्षम स्थितियों और सहयोगात्मक कार्रवाई के साथ जलवायु लचीलेपन के प्रभावी एजेंट के रूप में कार्य कर सकती हैं। इस कार्यक्रम में ग्रामीण कर्नाटक की चार महिला उद्यमियों और ग्रामीण जलवायु चैंपियन के रूप में उनकी यात्रा पर भी प्रकाश डाला गया। ग्रामीण चैंपियनों, भाग्यम्मा, सुजाता, जयलक्ष्मी और सरावरी की कहनियों ने महिला उद्यमिता को सक्षम करने की परिवर्तनकारी शक्ति में दर्शकों के विश्वास को नवीनीकृत किया। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं पर जलवायु के प्रभाव को भी प्रदर्शित किया।

वाहन ने गुजरात में नेटवर्क का विस्तार किया: छोटी और मध्यम भर्ती एजेंसियों के साथ काम करके ब्लू-कॉलर भर्ती का समर्थन करेगा

गुजरात। भारत का अग्रणी ब्लू-कॉलर डिलीवरी हायरिंग प्लेटफॉर्म वाहन, सूरत में अपनी "वाहन लीडर्स" पहल शुरू कर रहा है। कार्यक्रम स्थानीय स्तर की ब्लू-कॉलर भर्ती मानव संसाधन परामर्श और प्रतिभा अधिग्रहण कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य इन कंपनियों को व्यवसाय सुधार के विभिन्न पहलुओं पर सलाह देने के लिए वाहन विशेषज्ञों तक पहुंचने में मदद करना है। अन्य लाभों में विभिन्न आंतरिक प्रक्रिया संरचनाएं, उचित प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए सेटअप के साथ-साथ इसकी संबंधित नींव को और मजबूत करने के लिए मार्गदर्शन शामिल है। वाहन वर्तमान में 10,566 सूक्ष्मउद्यमियों के साथ काम कर रहा है, जिससे प्रति माह औसतन 2,50,000 रुपये की आय हो रही है।

इस पहल की कई सफलता की कहानियों में से एक डिलीवरी कर्मचारी श्री शुभम उपाध्याय की कहानी है, जिन्होंने अपनी खुद की हायरिंग कंपनी शुरू की और एक व्यवसाय के मालिक बन गए। शुरुआत में, उपाध्याय ने एक प्रमुख खाद्य वितरण मंच पर वाहन डिलीवरी राइडर के रूप में शुरुआत की। वाहन के पीओसी ने शुभम के उद्यमशीलता के जुनून को देखा और उसे वाहन के कार्यक्रम नेता के रूप में नियुक्त किया। वाहन के समर्थन से, शुभम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता मिली और फिर वह निपुणता की ओर बढ़ गया। आज उनका अपना व्यवसाय है और एक एकल उद्यमी से लेकर अब उनके पास 12 टेलीकॉलर्स की एक टीम है। वे मिलकर हर महीने 250 से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्त कर रहे हैं और इस साल के अंत तक इस संख्या को दोगुना करने की राह पर हैं। उपाध्याय उन अन्य सलाहकारों में से एक हैं जिन्हें इस पहल से लाभ हुआ है।

अपने व्यवसाय और वाहन से मिले समर्थन से बहुत खुश होकर वह कहते हैं, "मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं अपनी खुद की कंपनी शुरू कर पाऊंगा।" गाड़ी की मदद से मैं इस सपने को साकार कर सका और बड़ा सोच सका। मुझे अपना कार्यालय स्थापित करने में मदद के लिए कामकाजी ऋण मिला, जिसे अब मैं विस्तारित करने की योजना बना रहा हूं। मैं अधिक समान विचारधारा वाले लोगों से जुड़ने और अपनी कंपनी को आगे बढ़ाने पर ध्यान दूँगा।"

छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों से प्रतिभा प्राप्त करने में कंपनियों को आने वाली कठिनाइयों का कारण यह समझ है कि भर्ती फर्मों को अक्सर उद्योग में बड़े खिलाड़ियों तक सीधी पहुंच हासिल करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, अगर उन्हें पहुंच मिल भी जाती है, तो भुगतान चक्र लंबा होता है और भुगतान एजेंसियां बेहतर है। इसलिए नहीं कि एजेंसियां सीमित मात्रा की गारंटी दे सकती हैं।

इसे ध्यान में रखते हुए, कार्यक्रम और प्लेटफ़ॉर्म भर्ती सलाहकारों और एजेंसियों को ज़ेप्टो, ज़ोमैटो, स्विगी, ब्लिंकाइट, फ्लिपकार्ट, रैपिडो, अमेज़ॅन इत्यादि जैसे बड़े कॉर्पोरेट्स तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करते हैं। किसी वाहन के साथ साझेदारी करके, ये भर्ती एजेंसियां कम निवेश, बिना किसी संबद्धता या फ्रेंचाइजिंग शुल्क के अच्छा रिटर्न कमा सकती हैं, और अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं जो निश्चित रूप से लागतों को जल्दी चुकाने में मदद करेगा। यह तेजी से पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी ऋण तक पहुंच और विशेषज्ञ नेटवर्क के साथ निरंतर सहयोग सुनिश्चित करता है जो उन्हें सफल व्यवसाय विकास के लिए सिस्टम और प्रक्रियाएं स्थापित करने में मदद करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)